भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
National Highways Authority of India
(Ministry of Road Transport & Highways, Govt. of India)
परियोजना कार्यान्वयन ईकाई–वसन्त विहार। **Project Implementation Unit-Vasant Vihar**
मकान सं0 171, फेज– I, वसन्त विहार, देहरादून – 248006 House no.171, Phase-I, Vasant Vihar, Dehradun - 248006
दूरभाष/Phone: 0135-2760001 ई–मेल/E-mail: piuvasantvihar@nhai.org वेब/Web:www.nhai.gov.in

सत्यमेव जयते

NHAI/PIU/VV/2023/ Bhaniyawala-Rishikesh/Forest/ 6851 Dt.25.06.2024

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी
देहरादून वन प्रभाग
जनपद – देहरादून (उत्तराखण्ड)

विषयः उत्तराखण्ड राज्य के जनपद देहरादून में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–07 (स्पर) के भानियावाला–जौलीग्रान्ट–ऋषिकेश किमी0 0.000 से किमी 19.780 तक के चार लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण विषयक– **ऑनलाईन वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव संख्या FP/UK/ROAD/146663/2021 के संबंध में।**

संदर्भः
1. ई0डी0एस0 दिनांक 10.04.2024
2. डी0पी0आर0 कनसलटेन्ट मै0 योंग्मा इन्जी0 कं0 लि0 का पत्रांक 1906003 दिनांक 19.06.2024
3. इस कार्यालय का पत्रांक 6350 दिनांक 02.04.2024
4. इस कार्यालय का पत्रांक 2763 दिनांक 18.07.2022

महोदय,

उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विषयगत परियोजना के वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव में लगाये गये ई0डी0एस0 दिनांक 10.04.2024 के निस्तारण करते हुए अनुपालन आख्या निम्नानुसार प्रेषित हैः–

Sl. No.	Observations	Compliance
1	इस बिन्दू की सूचना में आपके द्वारा प्रस्तुत Mitigation Plan किस विशेषज्ञ संस्था से बनबाया/अनुमोदित कराया गया है। अतः इस सम्बन्ध में वांछित अभिलेख प्रस्तुत करें।	उत्तराखंड राज्य वन विभाग के निर्देशों के अनुसार वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) के माध्यम से वन्य एवं जीवों की सुरक्षा के उपायों पर काम किया गया है एवं तदानुसार एलिफैन्ट अण्डरपास एवं अन्य उपायों के बारे में ˘ द्वारा दिये गये सुझावों को प्रस्ताव में सम्मिलित किया गया है। इस संबंध में कृपया इस कार्यालय के पत्र संख्या NHAI/PIU&DDN/Bhaniyawala-Rishikesh/Forest/2763 दिनांक 18.07.2022 **(प्रतिलिपि संलग्न)** का संदर्भ करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) की रिपोर्ट आपके कार्यालय को प्रेषित की जा चुकी है। साथ ही यह भी अवगत कराना है कि मिटीगेशन प्लान तथा प्रस्तावित स्ट्रक्चर हेतु वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड शासन तथा भा0रा0रा0प्रा0 द्वारा संयुक्त स्थलीय निरीक्षण भी किया गया है।
2	भारत सरकार द्वारा बिन्दु संख्या–04 में स्पष्ट निर्देश दिये गये कि प्रत्यावर्तित भूमि 19.8345 हे0 के एवज में प्रतिपूरक वृक्षारोपण गैर वन भूमि (Non Forest Land) मे ही किया जाना है। अतः आप क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु गैर वन भूमि (Non Forest Land) में सम्पादित करने हेतु संशोधित क्षेत्रों का चयन कर उक्त क्षेत्रों की KML फाइल एवं CA स्कीम में प्रस्तावित क्षेत्रों की DSS कराकर वांछित सूचना शीघ्र इस कार्यालय को प्रेषित करने का कष्ट करें।	उत्तराखण्ड शासन द्वारा उनके आदेश संख्या 206/12ए–09 (2023–2026) डीएलआरसी दिनांक 13.06.2024 **(प्रति संलग्न)** के माध्यम से प्रतिपूरक वृक्षारोपण हेतु कुल 55.914 हेक्टेयर गैर–वानिकी क्षेत्र की भूमि वन विभाग, उत्तराखंड को हस्तांतरित की गयी है जिसमें से छमरोली गांव में लगभग 25.4000 हेक्टेयर, द्वार गांव में लगभग 15.8790 हेक्टेयर तथा मकड़ेती गांव में लगभग 14.6350 हेक्टेयर भूमि है। राज्य सरकार द्वारा उक्त हस्तान्तरित कुल 55.914 हेक्टेयर गैर–वानिकी क्षेत्र की भूमि में से क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु झाझरा–आशारोड़ी परियोजना के लिए 20.0849 हेक्टेयर एवं भानियावाला–ऋषिकेश परियोजना के लिए 19.8345 हेक्टेयर भूमि का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। शेष 15.9946 हेक्टेयर भूमि का उपयोग भा0रा0रा0प्रा0 की परियोजनाओं के लिए भविष्य में किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यह भी अवगत कराना है कि प्रतिपूरक वृक्षारोपण हेतु 39.6690 हे0 Degraded वन भूमि पूर्व में ही वन विभाग द्वारा भा0रा0रा0प्रा0 को उपलब्ध करायी गयी है। संदर्भित परियोजना हेतु गैर वानिकी क्षेत्र में प्रतिपूरक वृक्षारोपण हेतु मानचित्र तथा के0एम0एल0 फाइल संलग्न हैं। प्रतिपूरक वृक्षारोपण स्कीम, डीएसएस विश्लेषण एवं भूमि उपयुक्तता प्रमाण पत्र (Suitability of land Certificate) वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराये जाने है अतः अनुरोध है कि वांछित अभिलेख अपने स्तर से उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

क्रमशः...2

अतः राष्ट्रीय हित की परियोजना को दृष्टिगत रखते हुए आपसे अनुरोध है कि संदर्भित वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव को स्वीकृति हेतु अग्रसारित करने का कष्ट करें।

भवदीय

संलग्नकः उपरोक्तानुसार।

(पंकज कुमार मौर्य)
महाप्रबन्धक (तक0) सह परियोजना निदेशक
प0का0ई0–वसन्त विहार (देहरादून)

प्रतिलिपिः

1. अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, वन संरक्षण, उत्तराखण्ड, देहरादून – को सूचनार्थ प्रेषित।
2. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, उत्तराखण्ड, देहरादून – को सूचनार्थ प्रेषित।
3. टीम लीडर, मै0 योंग्मा इन्जी0 कं0 प्रा0 लि0 – को इस आशय से प्रेषित कि संबंधित वन विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।

MAP SHOWING DIGITAL MAP OF COMPENSATORY AFFORESTATION LAND WITH COORDINATES

Project Name :- Up-gradation & 4-laning of Bhaniyawala - Rishikesh Road (Spur) of NH-7 from km 0.000 to km 20.600 in the State of Uttarakhand.

Proposal No.: FP/UK/ROAD/146663/2021

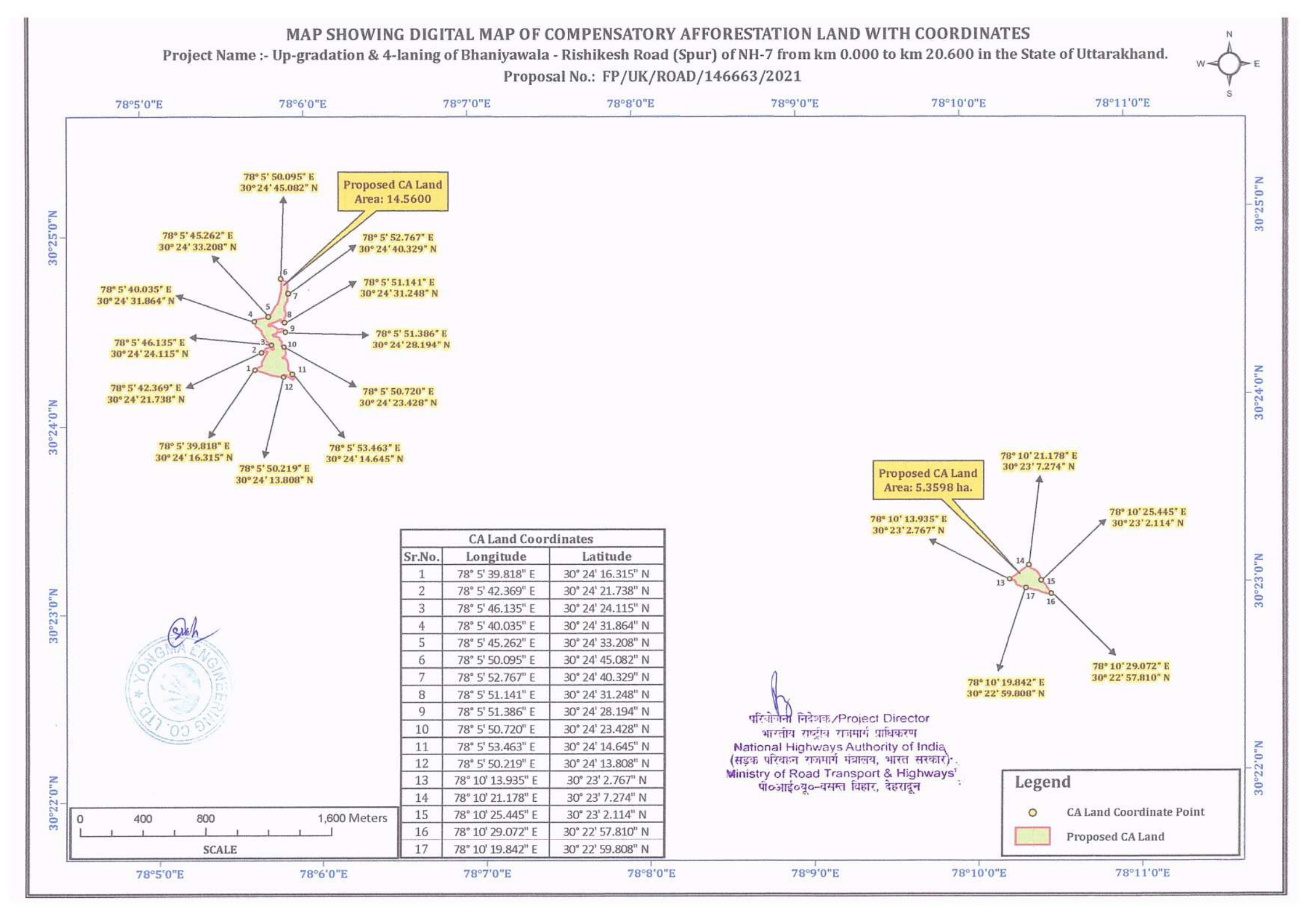

CA Land Coordinates		
Sr.No.	Longitude	Latitude
1	78° 5' 39.818" E	30° 24' 16.315" N
2	78° 5' 42.369" E	30° 24' 21.738" N
3	78° 5' 46.135" E	30° 24' 24.115" N
4	78° 5' 40.035" E	30° 24' 31.864" N
5	78° 5' 45.262" E	30° 24' 33.208" N
6	78° 5' 50.095" E	30° 24' 45.082" N
7	78° 5' 52.767" E	30° 24' 40.329" N
8	78° 5' 51.141" E	30° 24' 31.248" N
9	78° 5' 51.386" E	30° 24' 28.194" N
10	78° 5' 50.720" E	30° 24' 23.428" N
11	78° 5' 53.463" E	30° 24' 14.645" N
12	78° 5' 50.219" E	30° 24' 13.808" N
13	78° 10' 13.935" E	30° 23' 2.767" N
14	78° 10' 21.178" E	30° 23' 7.274" N
15	78° 10' 25.445" E	30° 23' 2.114" N
16	78° 10' 29.072" E	30° 22' 57.810" N
17	78° 10' 19.842" E	30° 22' 59.808" N

YONGMA ENGINEERING CO. LTD.

परियोजना निदेशक/Project Director
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
National Highways Authority of India
(सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
Ministry of Road Transport & Highways
पी०आई०यू०-वसन्त विहार, देहरादून

MAP SHOWING SURVEY OF INDIA TOPOSHEET MAP OF COMPENSATORY AFFORESTATION LAND

Project Name :- Up-gradation & 4-laning of Bhaniyawala - Rishikesh Road (Spur) of NH-7 from km 0.000 to km 20.600 in the State of Uttarakhand.

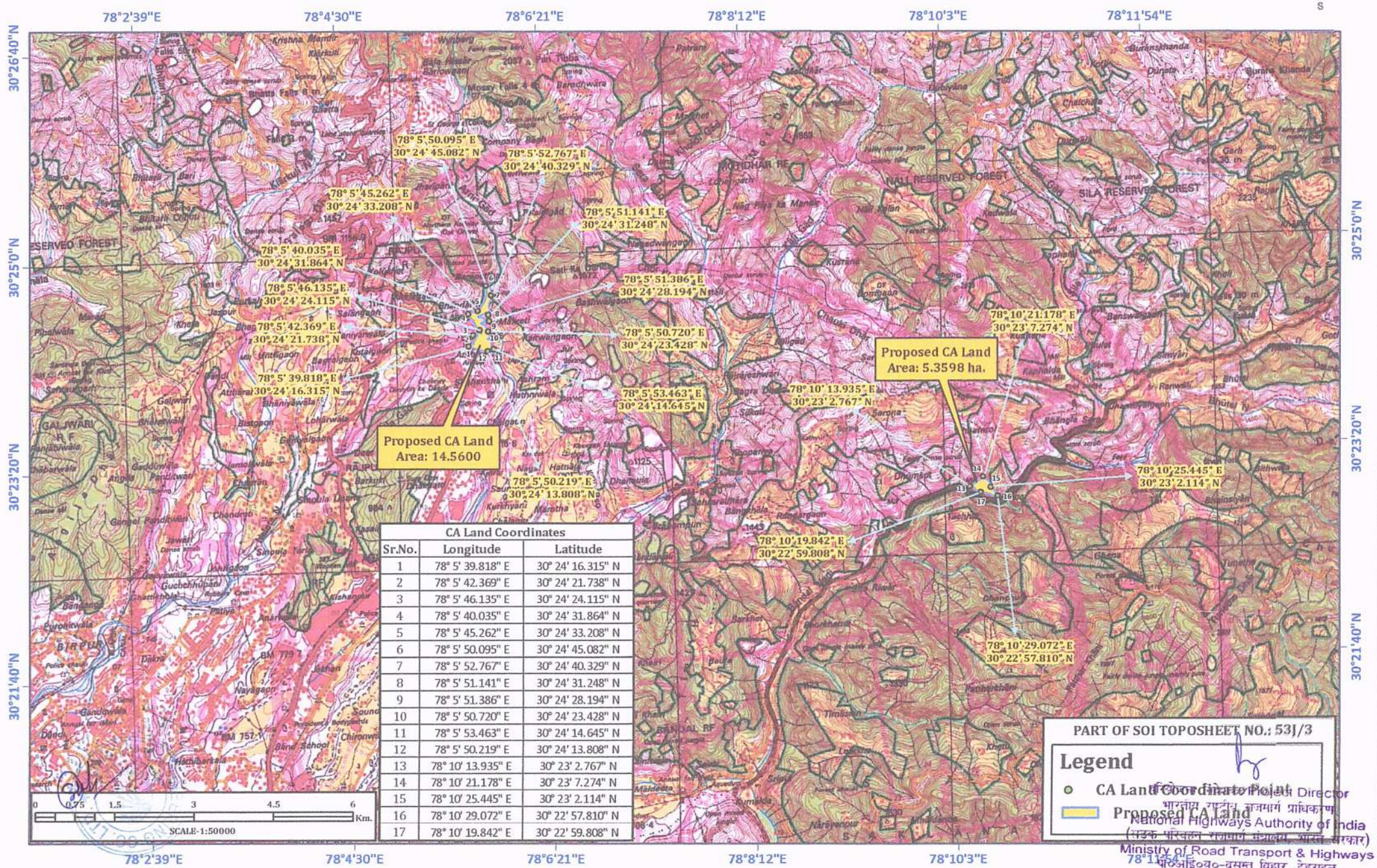

Proposal No.: FP/UK/ROAD/146663/2021

CA Land Coordinates

Sr.No.	Longitude	Latitude
1	78° 5' 39.818" E	30° 24' 16.315" N
2	78° 5' 42.369" E	30° 24' 21.738" N
3	78° 5' 46.135" E	30° 24' 24.115" N
4	78° 5' 40.035" E	30° 24' 31.864" N
5	78° 5' 45.262" E	30° 24' 33.208" N
6	78° 5' 50.095" E	30° 24' 45.082" N
7	78° 5' 52.767" E	30° 24' 40.329" N
8	78° 5' 51.141" E	30° 24' 31.248" N
9	78° 5' 51.386" E	30° 24' 28.194" N
10	78° 5' 50.720" E	30° 24' 23.428" N
11	78° 5' 53.463" E	30° 24' 14.645" N
12	78° 5' 50.219" E	30° 24' 13.808" N
13	78° 10' 13.935" E	30° 23' 2.767" N
14	78° 10' 21.178" E	30° 23' 7.274" N
15	78° 10' 25.445" E	30° 23' 2.114" N
16	78° 10' 29.072" E	30° 22' 57.810" N
17	78° 10' 19.842" E	30° 22' 59.808" N

Project Director
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
National Highways Authority of India
Ministry of Road Transport & Highways

आदेश

महाप्रबन्धक (तक0) सह परियोजना निदेशक प0का0ई0–वसन्त विहार देहरादून के पत्र संख्या NHAI/PIU/VV/2023/BHAN-RISH&JH-Ash/Forest Issue/6515 दिनांक 01.05.2024 के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के जनपद देहरादून में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 07 (स्पर) के भानियावाला जौलीग्रान्ट–ऋषिकेश किमी 0.000 से किमी 19.780 तक के चार लेन चौडीकरण एवं सुदृढीकरण एवं उत्तराखण्ड राज्य में रा0रा0–72 (झाझरा के पारा) को दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे (आशारोडी सेक्शन के पास से जोडने वाले चार लेन ग्रीनफील्ड रोड का विकास कार्य कि0मी0 0.050 से कि0मी0 12.220 तक निर्माण हेतु रकबा 39.9194 है0 सिविल सोयम भूमि क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण हेतु वन विभाग के नाम हस्तान्तरित किये जाने का अनुरोध किया गया है।

उप जिलाधिकारी सदर देहरादून के द्वारा अपने पत्र संख्या 500/पीए–सत्यापन/2024–25 देहरादून दिनांक 24 मई 2024 के द्वारा संयुक्त निरीक्षण आख्या उपलब्ध प्रेषित की गयी है। जिसमें जनपद देहरादून तहसील देहरादून के ग्राम मकडेती के खसरा नम्बर 5क रकबा 3.0920 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जंगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम मकडेती के ख0न0 5 ड़ रकबा 2.3050 है0, ख0न0 21 रकबा 0.1650 है0, ख0न0 167घ रकबा 5.5110 है0, ख0न0 168 रकबा 0.4600 है0, ख0न0 170ख रकबा 1.0790 है0, श्रेणी 6–4 ढ़ाग जो अन्य कारणों से अकृषिक हो, ग्राम मकडेती के ख0न0 182/4क रकबा 2.0230 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जंगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम छमरोली के खसरा नम्बर 283 रकबा 25.4000 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जंगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम द्वारा के खसरा नम्बर 909 रकबा 3.8300 है0, ख0न0 2092क रकबा 5.9380 है0, ख0न0 2091 रकबा 0.1740 है0, ख0न0 607 रकबा 1.3510 है0, ख0न0 614मि रकबा 4.1810 है0 कुल रकबा 15.474 है0 श्रेणी 5–3–ख–2 ग्राम समाजो में निहित जगल साल ग्राम समाज, कुल रकबा 55.509 है0 भूमि जनपद देहरादून में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 07 (स्पर) के भानियावाला जौलीग्रान्ट–ऋषिकेश किमी 0.000 से किमी 19.780 तक के चार लेन चौडीकरण एवं सुदृढीकरण एवं उत्तराखण्ड राज्य में रा0रा0–72 (झाझरा के पास) को दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे (आशारोड़ी सेक्शन के पास से जोडने वाले चार लेन ग्रीनफील्ड रोड का विकास कार्य कि0मी0 0.050 से कि0मी0 12.220 तक निर्माण में आने वाली 39.9194 है0 वन भूमि के बदले क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण हेतु वन विभाग को हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित की गयी है।

महाप्रबन्धक (तक0) सह परियोजना निदेशक प0का0ई0–वसन्त विहार देहरादून के द्वारा 39.9194 है0 भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु वन विभाग को हस्तान्तरण की मांग की गयी है। उप जिलाधिकारी सदर देहरादून के द्वारा प्रस्तुत संयुक्त निरीक्षण आख्या के अनुसार प्रस्तावित भूमि शासनादेश संख्या–496/XVIII(II)/2020-08(63)/2016दिनांक 28 जुलाई 2020, शासनादेश संख्या–111/XXVII(7)/50(39)-2015/2014 दिनांक 09 जुलाई 2015, शासनादेश संख्या–1887/496/XVIII(II)/2015-18(169)/2015 दिनांक 30 जुलाई 2015, शासनादेश संख्या 2173/XVIII(II)/2012–18(120)/2010 दिनांक 17 दिसम्बर 2012 एवं शासनादेश संख्या–260/वित्त अनुभाग–3/2002 दिनांक 15 फरवरी, 2002 की शर्तो एवं प्राविधानों के तहत एवं उल्लिखित शासनादेशों में दी गई व्यवस्थानुसार/शर्तानुसार जनपद देहरादून तहसील देहरादून के मकडेती के खसरा नम्बर 5क रकबा 3.0920 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम मकडेती के खसरा नम्बर 5क रकबा 3.0920 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जंगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम मकडेती के ख0न0 5 ड रकबा 2.3050 है0, ख0न0 21 रकबा 0.1650 है0, ख0न0 167घ रकबा 5.5110 है0, ख0न0 168 रकबा 0.4600 है0, ख0न0 170ख रकबा 1.0790 है0, श्रेणी 6–4 ढाग जो अन्य कारणों से अकृषिक हो, ग्राम मकडेती के ख0न0 182/4क रकबा 2.0230 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम छमरोली के खसरा नम्बर 283 रकबा 25.4000 है0 श्रेणी 5–3–ख–1 जगल झाडी जो वन विभाग के प्रबन्ध में हो, ग्राम द्वारा के खसरा नम्बर 909 रकबा 3.8300 है0, ख0न0 2092क रकबा 5.9380 है0, ख0न0 2091 रकबा 0.1740 है0, ख0न0 607 रकबा 1.3510 है0, ख0न0 614मि रकबा 4.1810 है0 कुल रकबा 15.474 है0 श्रेणी 5–3–ख–2 ग्राम समाजो में निहित जगल साल ग्राम समाज, कुल रकबा 55.509 है0 भूमि जनपद देहरादून में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 07 (स्पर) के भानियावाला जौलीग्रान्ट–ऋषिकेश किमी 0.000 से किमी 19.780 तक के चार लेन चौडीकरण एवं सुदृढीकरण एवं

परियोजना निदेशक/Project Director
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
National Highways Authority of India
(सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
Ministry of Road Transport & Highways
प0आई0यू–वसन्त विहार, देहरादून

उत्तराखण्ड राज्य मे रा0रा0-72 (झाझरा के पास) को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (आशारोडी सेक्शन के पास से जोड़ने वाले चार लेन ग्रीनफील्ड रोड का विकास कार्य कि0मी0 0.050 से कि0मी0 12.220 तक निर्माण में आने वाली 39.9194 हे0 वन भूमि के बदले क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण हेतु वन विभाग उत्तराखण्ड शासन को निम्नलिखित शर्तों के अनुसार आवटित/हस्तान्तरित किया जाता है :-

1- भूमि का हस्तांतरण बिना मूल्य लिये किया जायेगा। वन मामलों में भूमि के नजराना मूल्य की सीमा पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

2- जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तांतरण की जा रही है, वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए आवश्यक प्राविधान किया जा चुका हो, तथा केवल उतनी ही भूमि का हस्तांतरण किया जाये जितना कार्य विशेष के लिए आवश्यक हो।

3- भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत नहीं होनी चाहिए।

4- यदि भूमि वन विभाग की रक्षित भूमि हो, तो वह हस्तांतरण के बाद भी रक्षित वन भूमि बनी रहेगी। रक्षित वन भूमि के हस्तांतरण से सम्बन्धित ग्राम वासियों की कोई आपत्ति न हो और हस्तांतरित भूमि के उपयोग करने में साथ में लगी हुई वन भूमि और वन सम्पदा को कोई हानि नहीं करायी जायेगी।

5- वन विभाग दूसरे सेवा विभाग से हस्तांतरित भूमि का कोई मूल्य नहीं लेगा, लेकिन यदि उस भूमि पर पेड इत्यादि अन्य वन सम्पदा हो तो प्राप्त कर्ता विभाग द्वारा वन विभाग की उक्त वन सम्पदा का मूल्य भुगतान करना होगा।

6- हस्तांतरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाती है तो याचक विभाग द्वारा पुनः आवेदन प्रस्तुत करना होगा। यदि हस्तांतरित भूमि की आवश्यकता न हो या तीन वर्षो तक हस्तांतरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लाई जाती है तो उसे मूल विभाग (राजस्व विभाग) को वापस करना होगा।

7- यह आदेश मा0 उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय एवं उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत आदेशों के अधीन होगा तथा याचक विभाग को निर्गत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।

8- उत्तराखण्ड राज्य में स्थित सरकारी भूमि उक्त प्रयोजन हेतु निःशुल्क भूमि हस्तांतरण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जायेगा कि भूमि पर जिस राजकीय विभाग का स्वामित्व है, उसकी सहमति/अनापत्ति लिखित रूप से प्राप्त कर ली जाये।

उपरोक्त शर्तों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

(सोनिका)
जिलाधिकारी,
देहरादून।

कार्यालय जिलाधिकारी, देहरादून।

संख्या- 206/12ए-09 (2023-2026)डी.एल.आर.सी. दिनांक 13 जून 2024

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- सचिव, राजस्व विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2- आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
4- प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग, मसूरी।
5- उप जिलाधिकारी, सदर देहरादून को इस निर्देश के साथ कि प्रश्नगत भूमि का कब्जा याचक विभाग को हस्तगत करते हुए अमल दरामद की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।
6- महाप्रबन्धक (तकनी) सह परियोजना निदेशक एन0एच0ई0 वसन्त विहार देहरादून

जिलाधिकारी,
देहरादून।

परियोजना निदेशक/Project Director
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
National Highways Authority of India
(सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
Ministry of Road Transport & Highways
पी0आई0यू0-वसन्त विहार, देहरादून

कार्यालय,प्रभागीय वनाधिकारी,देहरादून वन प्रभाग, देहरादून।

पत्रांक : 6128 /12-1 देहरादून, दिनांक 10 अप्रैल, 2024

अतिआवश्यक / महत्वपूर्ण

भा.रा.रा.प्रा. प.का.ई.-वसन्त विहार (देहरादून)
NHAI, PIU-Vasant Vihar (Dehradun)
प्राप्त/Received by......
सं0/No. 12401
दिनांक/Date 10/4/24

सेवा में,

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण,
परियोजना कार्यान्वयन ईकाई–वसन्त विहार,
मकान संख्या–171, फेज वसन्त विहार, देहरादून।

विषयः–उत्तराखण्ड राज्य के जनपद देहरादून में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–7 के भानियावाला–जौलीग्रान्ट–ऋषिकेश कि0मी0 0.000 से कि0मी 19.780 तक के चार लेन चौडीकरण एवं विषयक–आनलाईन वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव संख्या–**FP/UK/ROAD/146663/202** के सम्बन्ध में।

संदर्भ– आपका पंत्राक–**NHAI/PIU/VV/2022/Bhaniyawala-Rishikesh/Forest/6350** दिनांक 02.04.2024

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र के क्रम में अवगत कराना है कि उक्त प्रकरण में भारत सरकार द्वारा अपने पत्रांक–सं08बी / यू.सी.पी / 06 / 66 / 2023 / एफ0सी0 दिनांक 05 / 03 / 2024 के द्वारा लगायी गयी आपत्तियों को पुनः संशोधित कर (बिन्दु सं0–03 व 04) पर भारत सरकार द्वारा वांछित सूचना को संशोधित कर शीघ्र इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें:–

SE-3/VA fue 10/04 — 12/4

Sl. No.	Observations of Regional Office	Compliances
3.	The proposed area is about 500 m away from Rajaji Tiger Reserve, so chainage wise mitigation measures with map is required.	इस बिन्दु की सूचना में आपके द्वारा प्रस्तुत mitigation Plan किस विशेषज्ञ संस्था से बनवाया / अनुमोदित कराया गया है। अतः इस सम्बन्ध में वांछित अभिलेख प्रस्तुत करें।
4.	As per the Van (SanrakshanevamSamvardhan) Rules 2023, CA require on Non Forest Land. So, revised CA area with CA scheme, KML file, etc as per Para 2.3 of said rules, are required.	भारत सरकार द्वारा बिन्दु संख्या–04 में स्पष्ट निर्देश दिये गये कि प्रत्यावर्तित भूमि 19.8345 है0 के एवज में प्रतिपूरक वृक्षारोपण गैर वन भूमि (Non Forest Land) में ही किया जाना है। अतः आप क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु गैर वन भूमि (Non Forest Land) में सम्पादित करने हेतु संशोधित क्षेत्रों का चयन कर उक्त क्षेत्रों की KML फाईल एवं CA स्कीम में प्रस्तावित क्षेत्रों की DSS कराकर वांछित सूचना शीघ्र इस कार्यालय को प्रेषित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

प्रभागीय वनाधिकारी,
देहरादून वन प्रभाग, देहरादून।

पत्रांकः– 6128 /12–1 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि अपर प्रमुख वन संरक्षक / नोडल अधिकारी, वन संरक्षण, इन्दिरानगर फॉरेस्ट कालोनी, उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रभागीय वनाधिकारी
देहरादून वन प्रभाग, देहरादून।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
National Highways Authority of India
(Ministry of Road Transport & Highways, Govt. of India)
परियोजना कार्यान्वयन ईकाई–वसन्त विहार। **Project Implementation Unit-Vasant Vihar**
मकान सं0 171, फेज– I, वसन्त विहार, देहरादून – 248006 House no.171, Phase-I, Vasant Vihar, Dehradun - 248006
दूरभाष/Phone: 0135-2760001 ई–मेल/E-mail: piuvasantvihar@nhai.org वेब/Web:www.nhai.gov.in

NHAI/PIU/VV/2022/Bhaniyawala-Rishikesh/Forest/ 6350

Dt.02.04.2024

To,

Divisional Forest Officer,
Dehradun Forest Division,
Tilak Road, Dehradun.
(Email- dfodoon@gmail.com)

Sub: Four/Six laning of Bhaniyawala - Jollygrant - Rishikesh road (Spur) section of NH-07 from Design Ch. 0.000 to Design Ch. 19.780 in the state of Uttarakhand.
Reg-Compliance Report of Received EDS regarding Forest Diversion proposal No. FP/UK/ROAD/146663/2021.

Ref: -

(i) M/s Yongma Engineering co. ltd. office letter no.YM(EN) 2024-0703002 dated 07.03.2024.
(ii) RO, MoEF&CC, Dehradun office letter no.8B/UPC/06/66/2023/FC/ dated 05.03.2024.
(iii) This office letter no.5698 dated 30.11.2023.
(iv) DFO Narender Nagar office letter no1392/12-1 dated 29.11.2023.
(v) M/s Yongma Engineering co. ltd. office letter no.YM(EN) 2023-2710001 dated 27.10.2023.
(vi) This office letter no.5528 dated 25.10.2023.
(vii) M/s Yongma Engineering co. ltd. office letter no.YM(EN) 2023-2010003 dated 20.10.2023.
(viii) RO, MoEF&CC, Dehradun office letter no.8B/UPC/06/66/2023/FC/932 dated 16.10.2023.
(ix) Scientist 'D', MoEF&CC, GoI, New Delhi office letter dated 21.08.2023.

Sir,

This is in reference to query raised by DFO on 21.11.2023 on parivesh portal, regarding the submission of compliances of observations raised by O/o Regional officer, MoEF&CC, Dehradun vide its letter dated 16.10.2023. The following point wise compliances are mentioned below for the same:-

Sl. No.	Observations of Regional Office	Compliances
1.	The entire Uttarakhand state is counted as hilly area. So, as per rules the proposed diversion area is more than 5.00 ha and Cost-Benefit analysis is required.	A copy of Cost benefit analysis attached herewith as **Annexure-1.** Cost Benefit Analysis has been uploaded at serial no. G in Part-I.
2.	The documentary evidence for existing road was constructed prior to 1980 shall be submitted.	As per the notification Under Section 3(1) of the U.P. Roadside Land Control, Act, 1945 (Act No. X of 1945), Public Works Department Notification dated 24th February 1953. The existing road was constructed prior 1980. A copy of the above notification is attached as **Annexure-2.** Although, this road is existing prior to 1980, still the black top is included in the area of diversion.
3.	The proposed area is about 500 m away from Rajaji Tiger Reserve, so chainage wise mitigation measures with map is required.	The boundary of Rajaji Tiger Reserve is at the centre of the Ganga River. The nearest point of the project road from the boundary of Rajaji Tiger River is the existing junction of NH-7 (Old NH-58) and Bhaniyawala-Rishikesh Road (Spur of NH-7) at Rishikesh. This is the design Chainage 20.600 of our project highway. From T-Junction to Natraj Chowk (about 2 km in length) is fully habitat. The last 820 m of existing road is 2-lane in which we are not doing any widening due to buildings on both sides abutting the ROW. We have excluded this 820 m length of road from our project. Now the nearest point of the project is 1317 m from Rajaji Tiger Reserve boundary. The following safeguards have been provided in the project from ecological/ wildlife considerations: **Underpasses:** One Major Bridge (280 m) plus 60 m opening for crossing of Elephants and other species near Chainage km 5.700 – 6.200 (between Airport and Ranipokhari village). Four numbers of Elephant Passes aggregate length = 3060 m in the Forest area between Ranipokhari & Natraj Chowk is also provided.

NHAI/PIU/VV/2022/Bhaniyawala-Rishikesh/Forest/6350 dt-02-04-2

		Box Culverts 7 Numbers of size 5 m x 3 mto facilitate the movement of large cats, such as tigers and leopards, and other wildlife (jackals, leopard cats, porcupine, wild boars, sambar and chital) besides functioning as cross drainage structure. Hume pipes of 1200 mm diameter – 10 numbers to facilitate the movement of reptiles, amphibians, and other smaller fauna. **Green Hedge:** A hedge of 2 m height and 1 m width is proposed between Ch 10.140 and Ch 18.030 by the side of road on both sides to guide / channelize movement of small animals at dedicated points. **Fencing in Forest Area:** Chain Link Fencing is proposed at ROW in the forest area to prevent animals from entering the project highway at other vulnerable locations. **Noise/Light Barrier:** Sound and Light barriers are proposed on outer side of the elephant passes (forest area). **Signages:** Adequate signages like, Elephant Crossing, Drive Slow, Wild Life, etc., and road markings shall be provided in the Forest area for safety of wild life and road users. A strip plan showing chainage wise mitigation measures (structures proposed for crossing of wild animals) is attached as Annexure-3
4.	As per the Van (Sanrakshan evam Samvardhan) Rules 2023, CA require on Non Forest Land. So, revised CA area with CA scheme, KML file, etc as per Para 2.3 of said rules, are required.	(i) It is to apprise that the proposal for diversion of **19.8345 Ha** forest area was uploaded on 16.04.2022 on Parivesh 1.0 Portal for construction of Bhanyawala-Rishikesh spur in the state of Uttarakhand. (ii) DFO Narender Nagar provided the CA land for **39.669 Ha** area up on Degraded forest land at Maniknath Raji vide its letter dated **19.12.2022** (attached). (iii) Since the uploading of the proposal on Parivesh Portal, the proposal has been returned to User Agency due to EDS raised on 11 different instances and each time the compliance has been re-submitted by the User Agency in a time bound manner. (iv) The latest compliance to the EDS raised by the Forest Department was submitted by the User Agency on **06.12.2023**. (v) Further, the Agreement for the development of the project has been signed by the NHAI on **01.12.2023** and the project is proposed to be started soon. (vi) Now, as per the EDS sought through the aforementioned letter dated **05.03.2024**, if the instant proposal is considered as per 'Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Rules, 2023', it shall require User Agency to provide Non-Forest Land for Compensatory Afforestation as against the Degraded Forest Land as per the current guidelines. NHAI is not in possession of any Non-forest land which may be used for Compensatory Afforestation and will require for acquisition of additional land for this purpose. It is to bring to kind attention that Acquisition of Land is a time taking process and if at this stage NHAI is required to provide Non-Forest Land for Compensatory Afforestation purpose, it shall lead to significant cost and time over-run in the project and lead to significant monetary loss to the country. (vii) Further, the Foundation stone for this project of national importance has already been laid by the Hon'ble Minister MoRT&H on **13.02.2024** and if this project is delayed due to forest clearance, it shall bring bad light on the organization. (viii) **Since the project is of national importance and work needs to start soon for easing of traffic in the State Capital of Uttarakhand, it is requested to kindly consider the subject project as per Forest (Conservation) Rules, 2003 so that Compensatory Afforestation may be taken up on Degraded forest land provided by the DFO Narender Nagar and the work may start soon without causing significant cost and time over-run in the project.**
5.	The Site Inspection Report (SIR) of DFO is not containing proposal details. So, revised SIR is require in attached format.	Related to Forest Department.

Contd. 3

In continuation of letter no. NHAI/PIU/VV/2022/Bhaniyawala-Rishikesh/Forest/ 6350 Dt.: 02.04.2024

An early action in this regard is highly solicited please.

Thanking You

Encl:As above.

Yours faithfully

(P.K. Mourya)
GM (Tech) cum Project Director
PIU-Vasant Vihar (Dehradun)

Copy to-

(i) PCCF cum Nodal Officer, Uttarakhand Forest Department, Dehradun, for kind information and it is requested to kindly request the IRO-Dehradun, MoEF&CC to kindly consider the subject projects as per Forest (Conservation) Rules, 2003 so that Compensatory Afforestation may be taken up on Degraded forest land and the work may start soon without causing significant cost and time over-run in the project.

(ii) M/s Yongma Engineering co. ltd., for kind information & necessary action please.

सत्यमेव जयते

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

National Highways Authority of India

(Ministry of Road Transport & Highways, Govt. of India)

परियोजना कार्यान्वयन ईकाई – देहरादून

Project Implementation Unit - Dehradun

मकान सं0 171, फेज–I, वसन्त विहार, देहरादून – 248006

House no.171, Phase-I, Vasant Vihar-Dehradun - 248006

दूरभाष/Phone : 0135-2760001

ई–मेल/E-mail : piuvasantvihar@nhai.org

वेबसाइट/Website :www.nhai.gov.in

NHAI/PIU-DDN/Rishikesh-Bhaniyawala (Forest)/2021/ 2763

Date: 18.07.2022

To,

DFO Dehradun
Uttarakhand Forest Department
Tilak Road, Dehradun

Sub: Four laning of Bhaniyawala-Jollygrant-Rishikesh road (Spur) of Nh-07 from Km. 0.000 to Km. 20.600 in the state of Uttarakhand - ***Compliance to EDS dated 09.05.2022 in Forest Clearance Proposal No. FP/UK/ROAD/146663/2021 - reg.***

Ref.:
1. CWLW letter no. 68/12-1 dt. 07.07.2022
2. CWLW letter no. 54/12-1 dt. 06.07.2022
3. CWLW letter no. 3247/12-1 dt. 08.06.2022
4. EDS raised vide your office letter no. 3654/12-1 dated 04.05.2022

Sir,

This is in reference to the above cited letter of your office referenced at 4. vide which EDS dt. 09.05.2022 has been raised in Forest Proposal No. FP/UK/ROAD/146663/2021 and an expert opinion has been desired regarding the location, design and drawing of the proposed Elephant Underpasses.

2. In reference to your office letter cited above at no. 4, a joint meeting was held on 10.06.2022 in the office of CWLW, Uttarakhand Forest Department. During the meeting, it was directed to World Wide Fund for Nature (WWF) to conduct a study on wildlife in respect of the proposed Elephant Underpasses and submit a report thereupon. Subsequently, in reference to letter cited above at no. 2, a joint survey was held on 07.07.2022 which was attended by CWLW, other Forest Dept. officials, WWF Team, NHAI officials, and officials of Airport Authority of India.

3. Thereafter, CWLW has forwarded a copy of the report of WWF vide letter cited above at reference no. 1, which is self-explanatory. Although, there are some suggestions in the report, but the forest area and total number of affected trees are not changing on account of those suggestions. Therefore, there will not be any change in the Forest Proposal. Further, NHAI shall follow the recommendation of WWF report received from CWLW Uttarakhand.

In view of the above, compliance has been done by user agency in response to your letter dated 04.05.2022 and EDS dated 09.05.2022.

The proposal may kindly be considered for approval and suitable necessary action please.

Thanking You.

Yours Faithfully,

(Pankaj Kumar Mourya)
GM (Tech.) cum Project Director
PIU-Vasant Vihar (Dehradun)

Copy to:
(i) **RO-Uttarakhand, NHAI,** Dehradun - *For kind information.*
(ii) Team Leader, M/s Yongma Engineering Co. Ltd. - *For necessary action.*

कार्यालय मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड

85 राजपुर रोड, देहरादून, फोन नं० 0135–2742864 फैक्स न० 0135–2745691 ईमेल–cwlwua@yahoo.co.in

पत्र संख्या – 68 / 12–1 **देहरादून,** **दिनांकः– 07 जुलाई, 2022**

सेवा में,

परियोजना निदेशक,
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण,
परियोजना कार्यान्वयन इकाई,
वसन्त विहार, देहरादून।

भा.रा.रा.प्रा. ... (देहरादून)
NHAI, PIU ... Vihar (Dehradun)
द्वारा प्राप्त/Received by......
सं0/No. 3476
दिनांक/Date 08/07/022

विषयः– **निरीक्षण टिप्पणी।**
सन्दर्भः– **इस कार्यालय का पत्रांक 254 / 12–1 दिनांक 06.07.2022।**

महोदय,

दिनांक 07.07.2022 को राष्ट्रीय राजमार्ग सं0–07(राज्य राजमार्ग–24) के स्पर भानियावाला (देहरादून)–जौलीग्रांट–ऋषिकेश कि0मी0 0.000 से कि0मी0 20.600 तक के चार लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, एलिफैन्ट अण्डरपास के प्रस्ताव से संबंधित किये गये संयुक्त निरीक्षणोपरान्त निर्गत निरीक्षण टिप्पणी संलग्न कर प्रेषित की जाती है। कृपया तद्नुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(हस्ताक्षर) 7.7.22
(डॉ0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक
उत्तराखण्ड।

पत्रांक /12–1 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव), उत्तराखण्ड।
3. प्रमुख सचिव, वन एवं पर्यावरण, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

(हस्ताक्षर)
(डॉ0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक
उत्तराखण्ड।

(i) कृपया जाँचें।
(ii) DPR consultant को भेजें
08/7/22

M/s SE-4/wo
08/07/22

पत्रांक /12–1 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून।
3. निदेशक/वन संरक्षक, राजाजी टाइगर रिजर्व, देहरादून।
4. प्रभागीय वनाधिकारी, देहरादून वन प्रभाग, देहरादून को उनकी पत्र सं0–3654/12–1 दिनांक–04.05.2022 के क्रम में।
5. डॉ0 ए0के0 सिंह, विश्व प्रकृति निधि, (डब्ल्यू0डब्ल्यू0एफ0) देहरादून।

7.7.22

(डॉ0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक
उत्तराखण्ड।

Mitigation measures (underpass, culverts) to address the impact of road expansion (SH24) between Bhaniyawala to Rishikesh

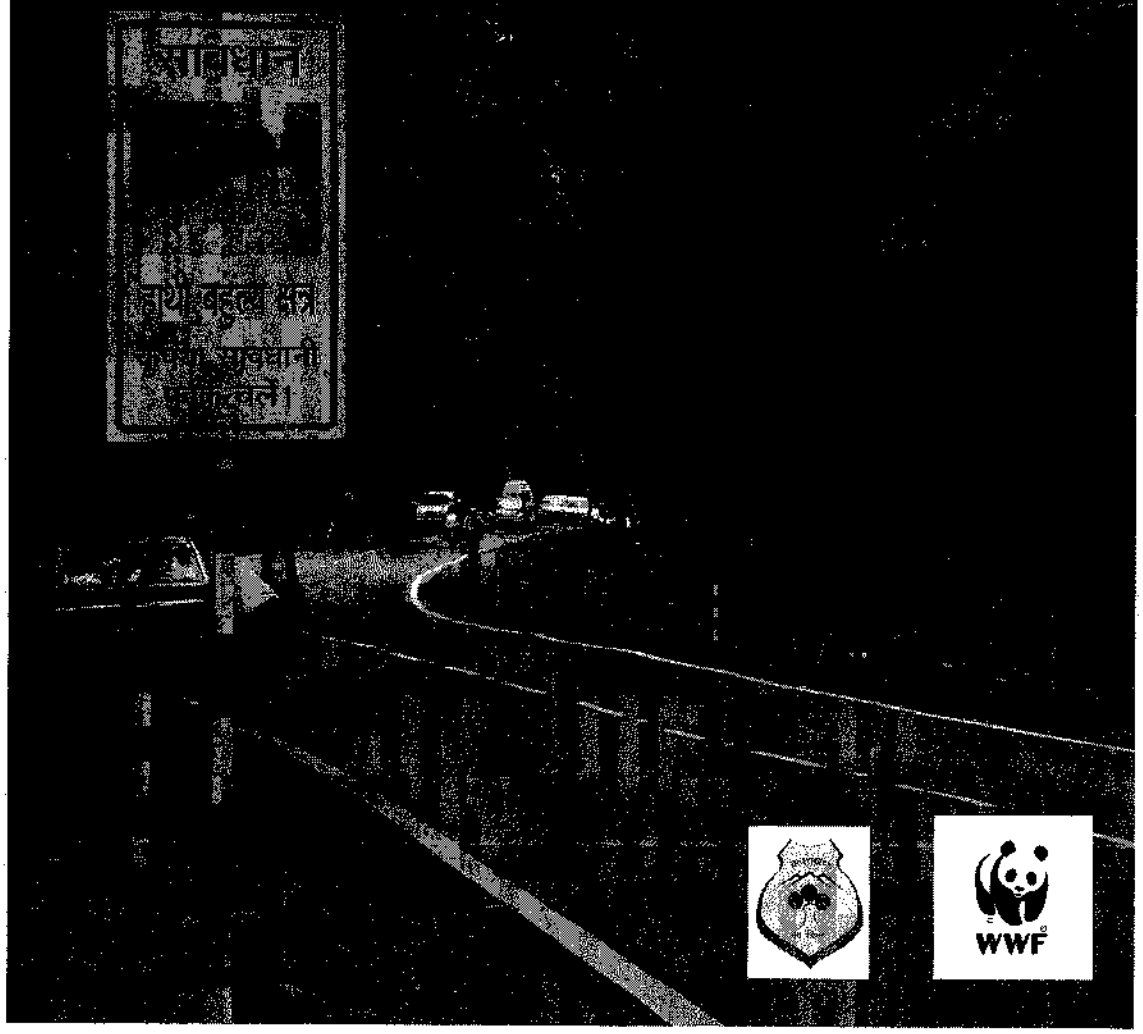

1. Proposed expansion of NH 24 between Bhaniyawala and Rishikesh (Two lane to four lane):

The State Highway 24 (SH 24) between Bhaniyawala and Rishikesh passes through important wildlife habitat of Badkot and Rishikesh ranges of Dehradun Forest Division (Dehradun FD). Currently this a two-lane state highway. The National Highway Authority of India (NHAI) is proposing to expand this road in to a four-lane highway. This road expansion will impact two critical wildlife areas (Fig. 1).

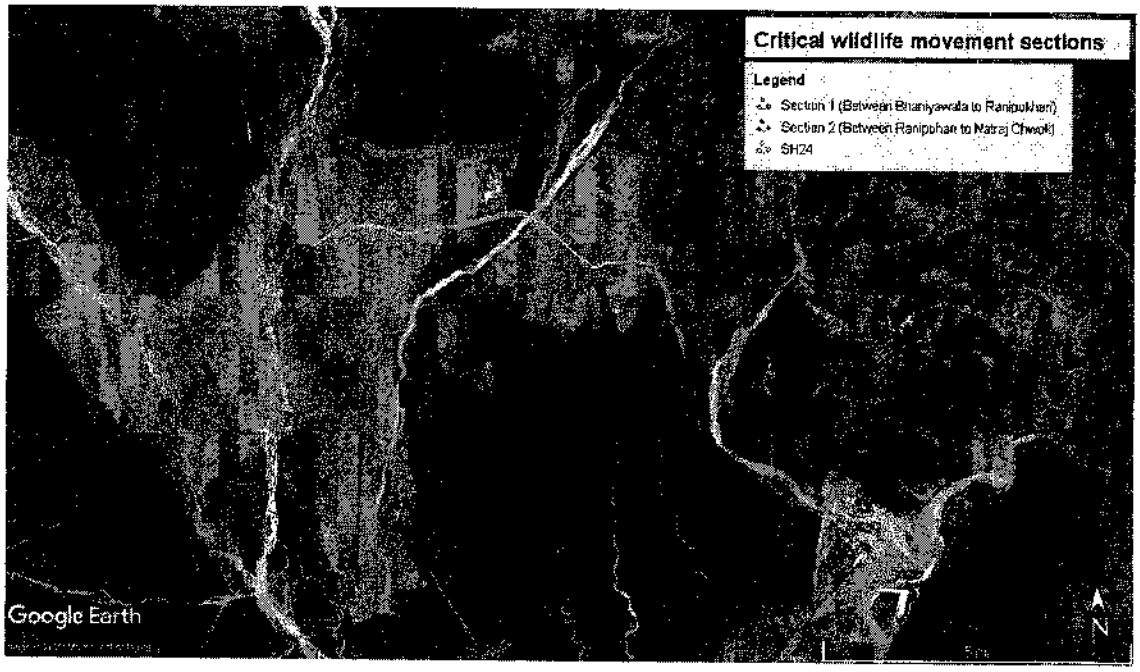

Figure 1: Critical wildlife movement sections on SH24

1.1. Bhaniyawala to Ranipokhari (near Jolly grant)

The road near Jolly Grant Airport (3.800 to 6.200) passes through an important connectivity between Thano and Barkot ranges of Dehradun FD. This bottleneck is the sole connectivity between these two ranges and critical for wildlife movement.

Figure 2: Image showing important connectivity between Thano and Badkot range near Jolly Grant Airport

1.2. Ranipokhari to Natraj Chowk, Rishikesh

The road between Ranipokhri and Natraj chowk, Rishikesh (10.000 to 18.000) passes through dense Sal and mix forest patches. This forest patch is a vital link for the wildlife movement between the Shivpuri range of Narendranagar FD and the Badkot and Rishikesh ranges of Dehradun FD.

Figure 3: Road passing through critical wildlife habitat between Ranipokhari and Rishikesh

2. Inventory study in Dehradun FD

In the Dehradun Forest Division, the WWF-India undertook an extensive inventory study that included sign surveys, camera trapping, and line transects, vegetation sampling and human disturbance index. Along with our inventory survey, our team noted important habitats such as wetlands, grasslands, lantana eradication, wildlife corridors, and animal underpasses on road network throughout the field work.

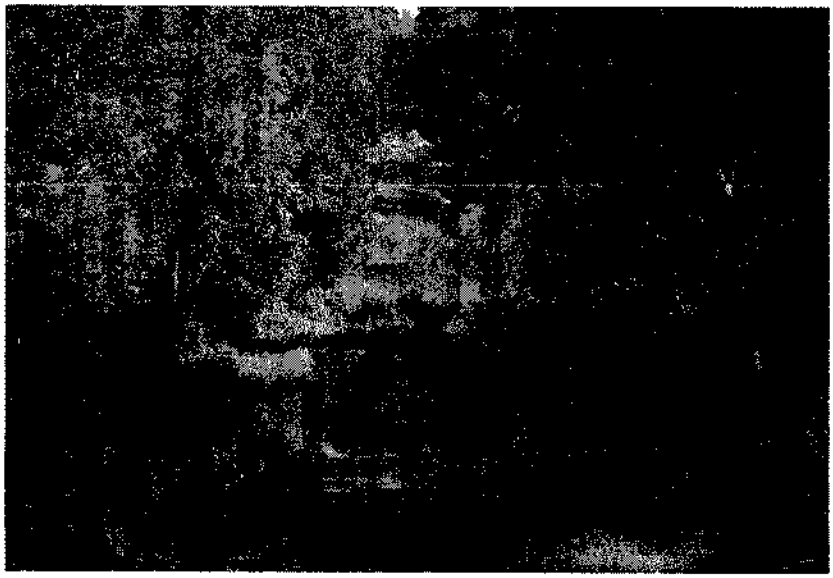

Figure 4: View of 100 foot fire line near anti-poaching camp between Badkot and Rishikesh range, an important elephant crossing route (16.200).

Rishikesh and Badkot ranges are eastern most ranges of Dehradun Forest Division. These ranges are most important ranges and serves as a corridor for movement of many wild animals, including leopards, elephants and tigers. The habitat is dominated by *Shorea robusta* (Sal), along with other species such as *Terminalia tomentosa* (Sen), *Haldina cordifolia* (Haldu), *Terminalia bellirica* (Baheda), *Holoptelea intergrifolia* (Kanju), *Lagerstroemia parviflora* (Dhaudi), *Mallotus philippensis* (Rohini), *Trewia Nudiflora* (Gutel), *Syzigium cumini* (Jamun), *Aegle marmelos* (Beal), *Albizia procera*(Siras). Understory vegetation is formed by *Clerodendrum viscosum* (Kadu), *Ehretia livis* (Chamrod) and *Justicia adhatoda* (Baasa) as well as many patches of *Lantana camara.*The terrain is generally plain. This area has a lot of perennial and seasonal streams. The Jakhan and Song rivers, along with several smaller streams, run across theses ranges, supplying water for animals and local people. The Chadrabhaga River separates the Badkot and Rishikesh ranges from the Narendranagar Forest Division.

Figure 5: Image showing team doing sign survey in Badkot range.

As part of inventory study, camera trapping exercise in Barkot and Rishikesh ranges were undertaken between November and December 2021. A total of 56 pairs of camera traps were deployed in these ranges. An effort of 260 Km was made during the sign survey exercise to document presence of carnivores in these range. We also overlaid 16 line transects to estimate the prey population.

Figure 6: Camera trap locations in Badkot, Rishikesh and Thano ranges

3. Results of Inventory study:

3.1 Results of camera trapping

During camera trapping exercise we captured several important species in Thano, Badkot, and Rishikesh ranges. The most important species captures in camera traps was tiger. We captured tiger presence in all these three ranges. Other important species captured on camera traps were elephants, leopard, hyena, sambar, chital, barking deer, leopard cat, jackal, and small Indian civet.

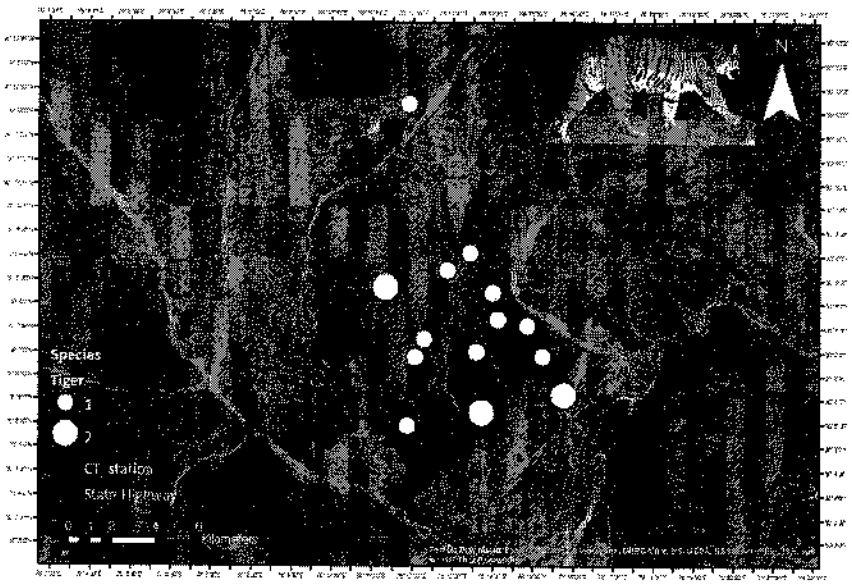

Figure 7: Tiger captures from camera trap exercise

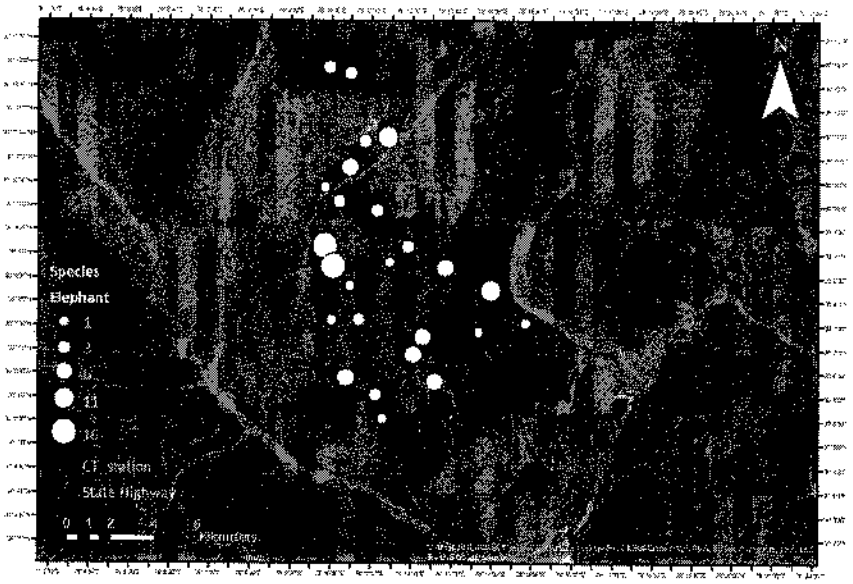

Figure 8: Elephant captures from camera trap exercise

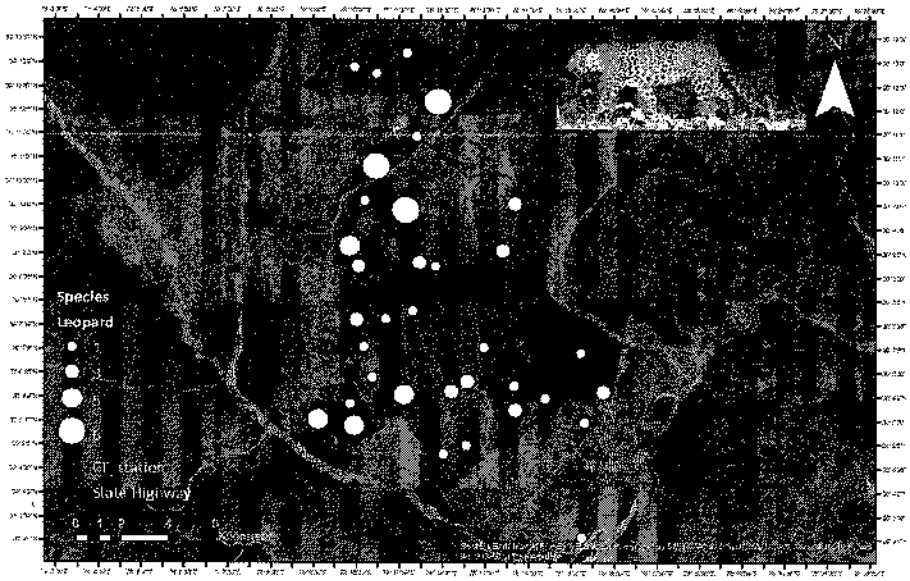

Figure 9: Leopard captures from camera trap exercise

Figure 10: Sambar capture from camera trap exercise

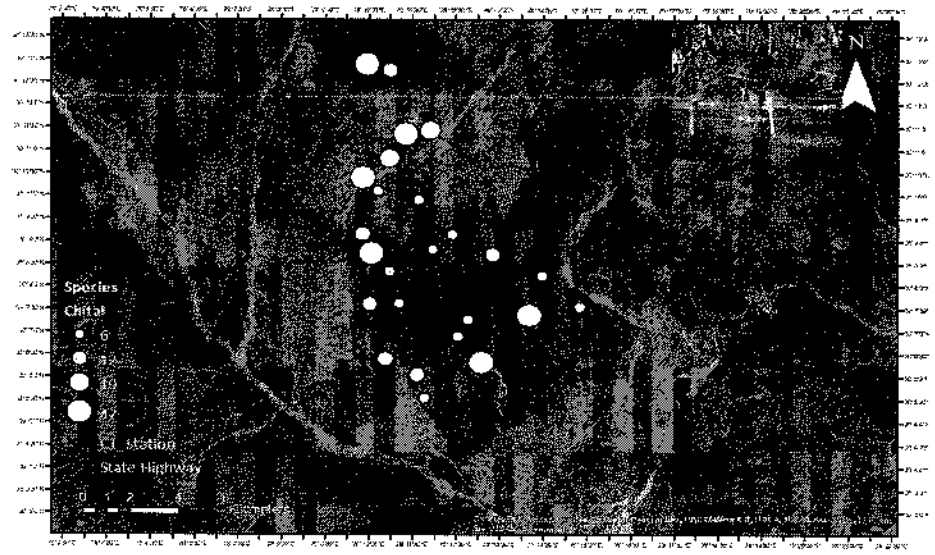

Figure 11: Chital captures from camera trap exercise

Figure 12: Barking deer captures from camera trap exercise

Figure 13: Jackal captures from camera trap exercise

Figure 14: Leopard cat captures from camera trap exercise

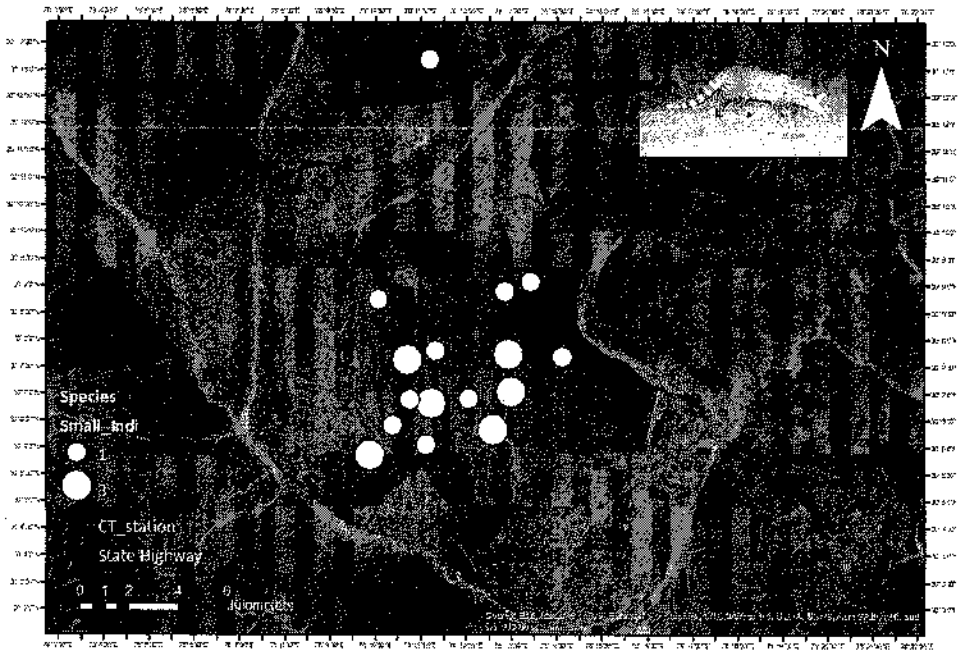

Figure 15: Small Indian civet capture from camera trap exercise

Figure 16: Striped Hyena captures from camera trap exercise

3.2 Sign survey results

We documented frequent signs of Elephants and Leopards from Badkot, Rishikesh and Thano ranges. A total effort of approximately 260km was made for this exercise in both the ranges.

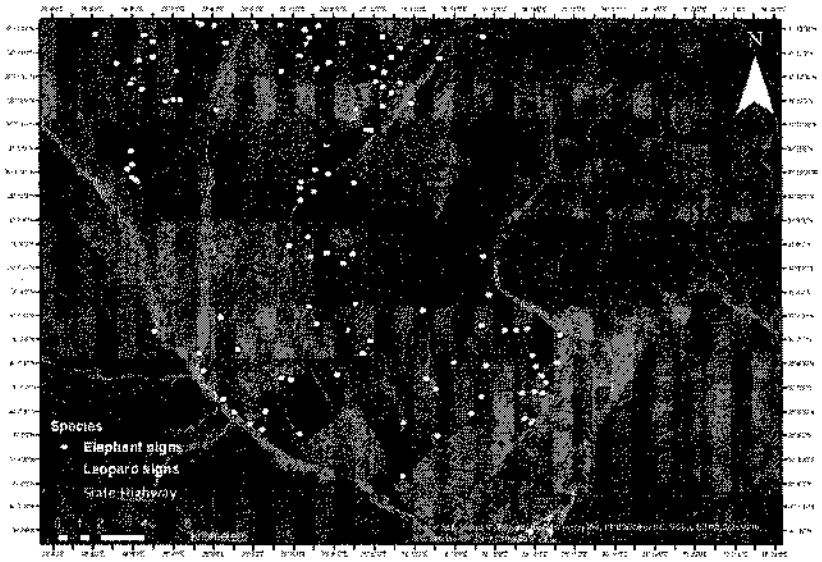

Figure 17: Elephant and Leopard signs noted during sign survey exercise.

4. Documentation of wildlife presence near road:

During our intensive camera trapping and sign survey exercise, we noticed substantial animal signs all along the SH 24 between Ranipokhari and Rishikesh. To identify animal movement, we had deployed a few camera traps close to the highway, and the results were quite remarkable. These camera traps captured images of tigers, elephants, leopards, and other prey species.

Figure 18: Image showing elephant movement route between Shivpuri range of Narendranagar FD and Badkot range. (NHAI – 16.200 – 16.300)

4.1. Bhaniyawala to Ranipokhari (near Jolly grant)

During camera trapping and sign survey exercise we noticed several evidences of elephants and other species in this section. We got pictures of elephants, leopards, sambars, chitals, and other wildlife (Fig 20). We also photo captured a male tiger on in camera traps near this highway. During sign survey we got elephant and leopard sign in a culvert below this road (Fig 19).

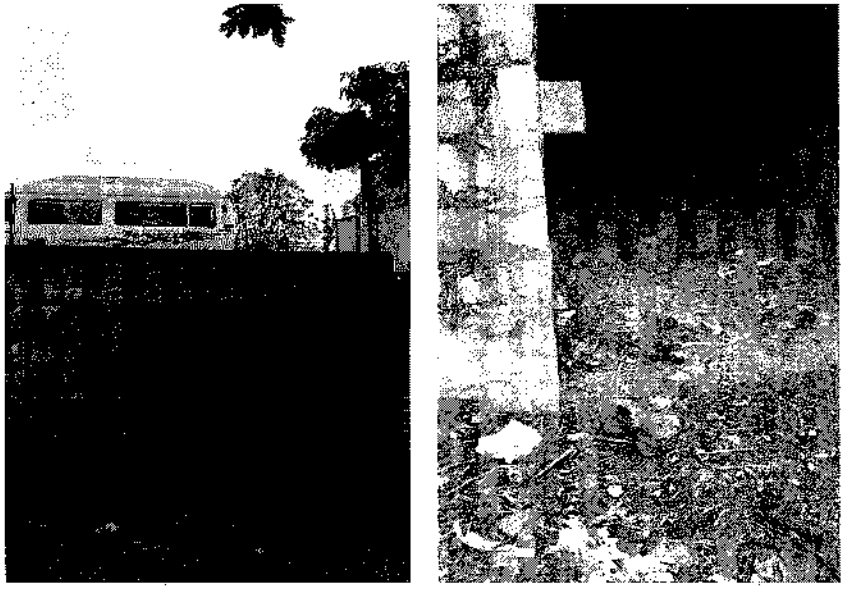

Figure 19: Elephant signs documented under culvert in between Bhaniyawala and Ranipokhari in SH 24 near Jolly Grant Airport. (Road section – 5.500 - 5.600)

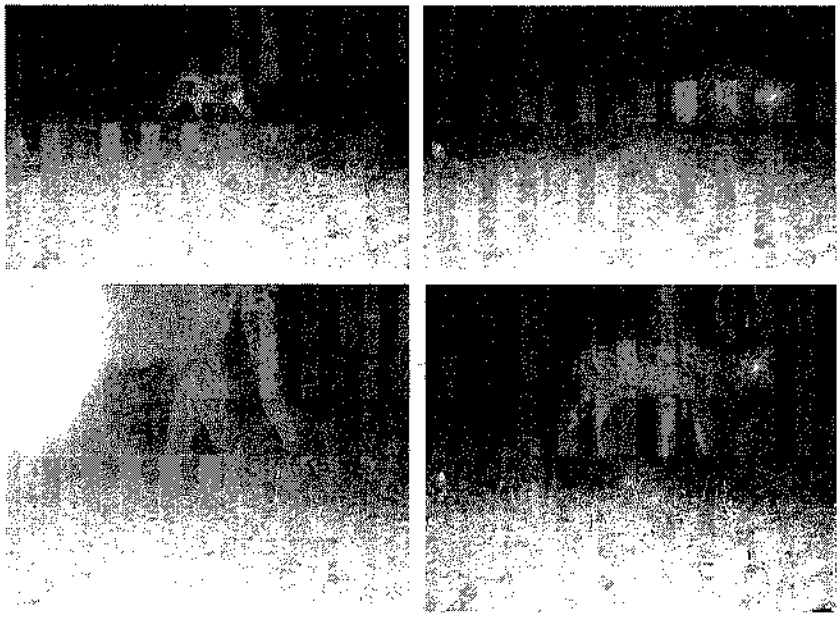

Figure 20: Wildlife photo captured in Majri beat (Badkot range) in close vicinity of road section (5.500 to 5.600)

4.2. Ranipokhari to Natraj Chowk, Rishikesh

This section is important wildlife habitat and crucial connectivity for wildlife movement. During our camera trapping and sign survey exercise we documented presence of tiger, elephant, leopard, sambar, chital, barking deer and hyena (Fig. 21).

Figure 21: Elephants images near Ranipokhari SH24. (Road section - 16.200 – 16.300)

5. Suggested mitigation measures to minimize the impact of road expansion on wildlife

5.1 Proposed underpass for elephant movement by NHAI and other mitigation measures

NHAI have proposed four underpasses in critical wildlife movement areas between Ranipokhari and Natraj Chowk, Rishikesh to facilitate movement of elephant and other species (Table 1).

Table 1. Details of proposed elephant underpasses by NHAI.

Elephant	Opening			Vertical Clearance (m)		Vertical clearance more than 7 m		
Pass No	from	to	Length(km)	Minimum	Maximum	from	to	length (km)
1	10.800	11.500	0.700	1.93	11.15	10.800	11.360	0.560
2	12.280	12.660	0.380	6.03	8.13	12.310	12.630	0.320
3	13.900	14.380	0.480	4.8	9.49	13.930	14.330	0.400
4	16.670	17.430	0.760	4.49	7.87	16.820	17.350	0.530
	Total		**2.320**			**Total**		**1.810**

In addition to underpasses, NHAI has also proposed for physical barriers to channelize wildlife movement and prevent road accidents, sound barriers and other safety provisions such as signages, speed control devices to minimize the impact of road widening.

5.2 Suggested additional mitigation measures and modifications

In proposed expansion (two lane to four lane) of existing road between Bhaniyawala to Rishikesh, we have following suggestions. These suggestions are based on inventory study recently conducted in the Badkot and Rishikesh Ranges, results of which are mentioned in the previous sections.

Table 2 Wildlife presence in different road sections and suggested modifications in mitigation measures.

Section	Species documented on Camera Trap/Sign Survey	Proposed Underpass by NHAI with vertical clearance more than 7 m	Suggested Underpass/ modification (Minimum clearance 7m)	Suggested Culverts(Minimum clearance 3m)
Section I: (Near Jolly grant Airport)				
3.800 to 6.200	Elephant, Tiger, Leopard, leopard cat, Hyena, Jackal, Sambar, Chital, Barking deer	Nil	4.300 to 6.100	Nil
Section II (Ranipokhari to Natraj Chowk)				
10.100 to 12.000	Tiger, Leopard, Hyena, Sambar, Chital, Barking deer	10.800 to 11.360	Nil	11.800
12.000 to 14.000	Elephant, Tiger, Chital, Barking deer	12.310 to 12.630	Nil	13.100, 13.600
14.000 to 16.000	Elephant, Tiger, Leopard, Jackal, Chital, Sambar, Barking deer	13.930 to 14.330	Nil	15.300,15.700
16.000 to 18.000	Elephant, Tiger, Leopard, Jackal, Chital, Sambar, Barking deer	16.820 to 17.350	16.100 to 16.520	17.300, 17.700

- In road section between Ranipokhari to Natraj Chowk, Rishikesh (10.000 to 18.000), NHAI has proposed four underpasses for elephant movement. Locations of three underpasses are appropriately aligned with wildlife movement. In the course of the inventory study WWF documented frequent elephant movement near road section between 16.200 to 16.300. Therefore, it was suggested to slightly change the location of proposed underpass, which is currently between 16.820 to 17.350. This shall be constructed between 16.100 to 16.520 with minimum clearance of 7 meters to facilitate the elephant movement (Table1).

- We recommend to construct culverts at five places between proposed underpasses to facilitate the movement of large cats, such as tigers and leopards and other wildlife (jackals, leopard cats, porcupine, wild boars, sambar and chital). Minimum height of these culvert should be 3m above the ground and width 3.5 m width (Table 1). Additionally, hume pipes (ideally 900 mm diameter) shall be provided to facilitate movement of reptiles, amphibians and other smaller fauna.
- The road section between Bhaniyawala to Ranipokhari, near Jolly Grant (3.800 to 6.200) is very critical for wildlife movement. We have documented many important wildlife in this section. This section is also being frequently used by elephants. Therefore, it is essential to provide underpass in this road section (Table 2).

5.3 Joint survey by the officials of Uttarakhand Forest Department, NHAI and WWF representatives to suggest mitigation measures and modifications

On 7th July 2022, a joint survey was conducted by the officials of Uttarakhand Forest Department, NHAI and WWF representatives, vide office of the CWLW, Uttarakhand, letter number 54/ 12-1; dated 6th July 2022, to evaluate and finalize the suggest wildlife mitigation measures and modifications to the existing plan.

Participants –

1. Dr. Parag Madhukar Dhakate, IFS – Chief Wildlife Warden, Uttarakhand
2. Mr. Pankaj Kumar Mourya, IES – Project Director, NHAI
3. Dr. Anil Kumar Singh, Team Leader-TAL WWF
4. Mr. Swapnil Anirudha Wayal, IFS – Dehradun Forest Division
5. Mr. N.L. Dobhal – Range Forest Officer, Thano Range, Dehradun Forest DIvision
6. Mr. Ashwani – Site Engineer NHAI
7. Mr. R. S. Sharma – Advisor, DPR Consultant NHAI
8. Mr. Rajiv Kumar Singh – Manager, AAI

Suggested Modifications –

1. **Suggested underpass for elephant and other wildlife movement between Bhaniyawala to Ranipokhari (near Jolly grant)**

- The road section between Bhaniyawala to Ranipokhari, near Jolly Grant (5.350 – 6.200) is very critical for wildlife movement. We have documented many important wildlife movements in this section. This section is also being frequently used by elephants. Therefore, it is essential to provide underpass in this road section. PWD is already in process of construction of a bridge over the Jakhan River. It was observed that the current structure that is being constructed by PWD in the elephant movement area, would block the elephant and other wildlife movement through this section. It was decided to provide openings for movement of elephant and other wildlife in airport side approach of the bridge. The height of the openings should be as per the WII guidelines (6-8 mtrs height). The length of the openings should be minimum 60 mtrs.

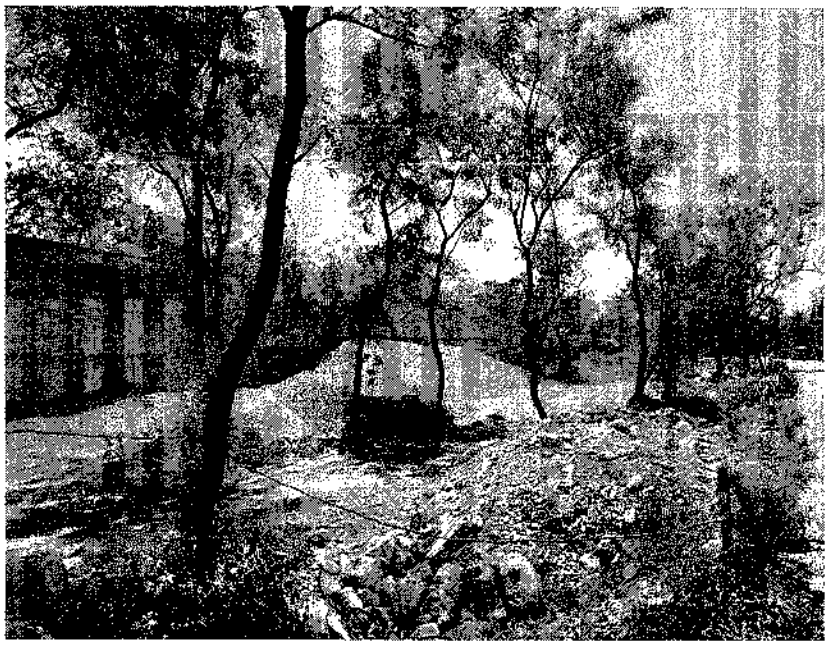

Figure 22: Under construction PWD bridge over the Jakhan River: The airport side approach of the bridge.

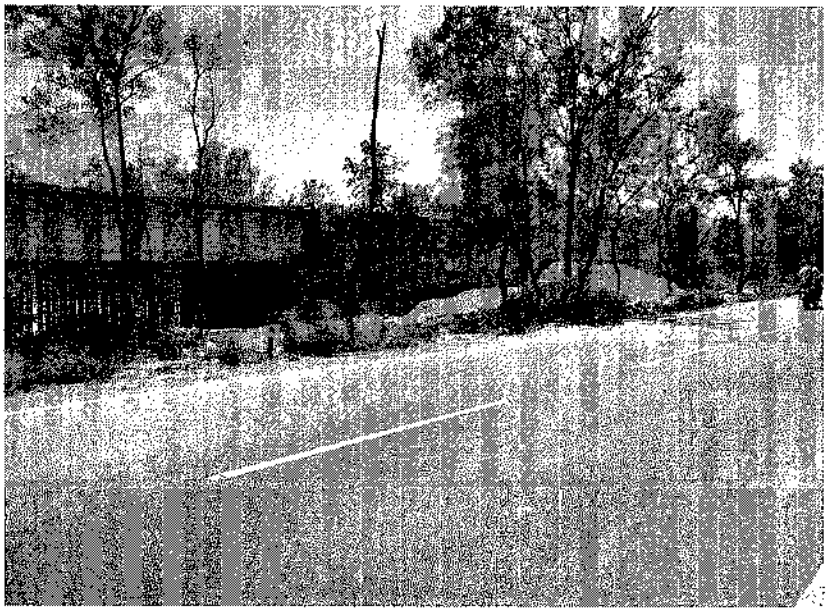

Figure 23: Under construction PWD bridge over the Jakhan River.

- The new bridge which will be constructed by NHAI parallel to this bridge, should also provide a sufficient passage for elephant movement in the river section, as well as in airport side approach of the bridge as per the WII guidelines (Height of the openings shall not be less than 6-8 mtrs). The length of the proposed bridge on the airport side should be extended by at least 60 mtrs.
- During the joint survey it was also observed that the proposed airport expansion leads to blockage of the wildlife movement in this section. In order to facilitate the wildlife movement, it is important to provide sufficient forest strip between the airport boundary and the river.

2. Suggested underpass for elephant and other wildlife movement in road section between Ranipokhari to Natraj Chowk, Rishikesh:

- NHAI have proposed four underpasses in critical wildlife movement areas between Ranipokhari and Natraj Chowk, Rishikesh to facilitate movement of elephant and other species. Locations of three underpasses were found appropriately aligned to facilitate the wildlife movement. In the course of the joint survey it was decided to slightly change the location of proposed underpass, which is currently between 16.820 to 17.350. It shall be constructed between 16.100 to 16.520 with minimum clearance of 7 meters to facilitate the elephant movement.
- It was decided to construct culverts at five places between proposed underpasses (11.800, 13.100, 13.600, 15.300, 15.700, 17.300, 17.700) to facilitate the movement of large cats, such as tigers and leopards and other wildlife (jackals, leopard cats, porcupine, wild boars, sambar and chital). Minimum height of these culvert should be 3m above the ground and width 5 m width.
- Additionally, Hume Pipes (Of 1200 mm diameter) shall be provided to facilitate movement of reptiles, amphibians and other smaller fauna. For every blocked length of the road (which does not have any elephant underpass or a culvert), Hume Pipes should be provided for every 300-400 mtrs distance to facilitate the movement of the smaller fauna. There shall be minimum 10 Hume Pipes in this section.
- During discussion it was decided to change the proposed design of median structures (Sloid continuous crash barrier/ New Jersey type) to normal 225 mm height median with anti-glare poles at minimum spacing of 1.2 meter, in order to ensure the smooth movement/ passage for the wild animals.
- It was decided to channel the wildlife movement towards the mitigation structure mainly using bio fences. Initially solar power fence may be used to protect the bio-fences, till its establishment. This activity shall be undertaken by the Forest Department.
- Wildlife underpasses should be covered with noise and light barriers and green hedges shall be established all along the edges in the forest section.
- Protection barrier shall be established wherever road is in cutting section.
- Signage for speed limit to be erected at appropriate locations.

4-laning of Bhaniyawala – Jollygrant - Rishikesh Road (Spur) of NH-7 from km 0.000 to km 20.600 in the State of Uttarakhand

Joint Site Visit on 07.07.2022 in the presence of Chief Wildlife Warden, Uttarakhand

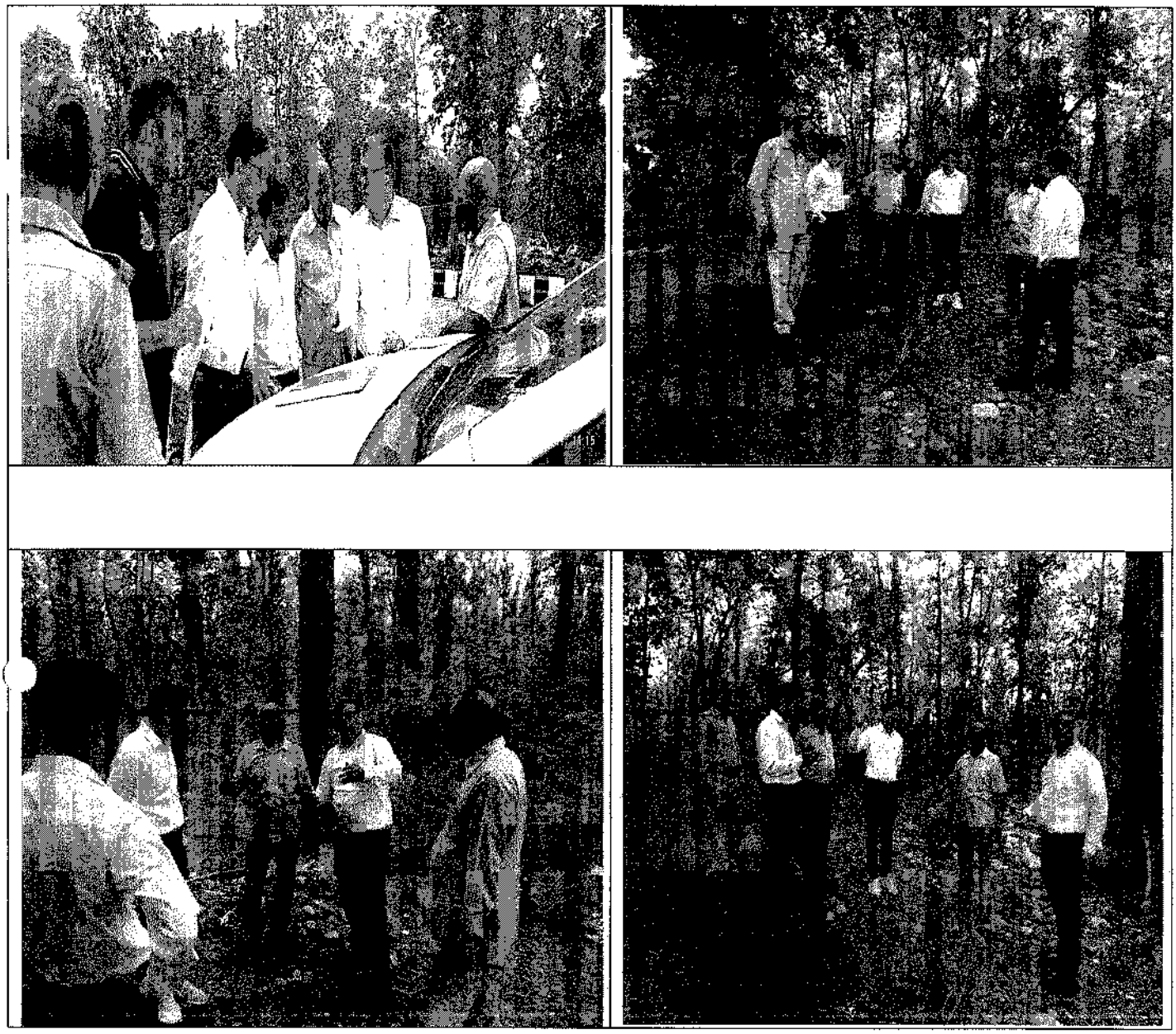

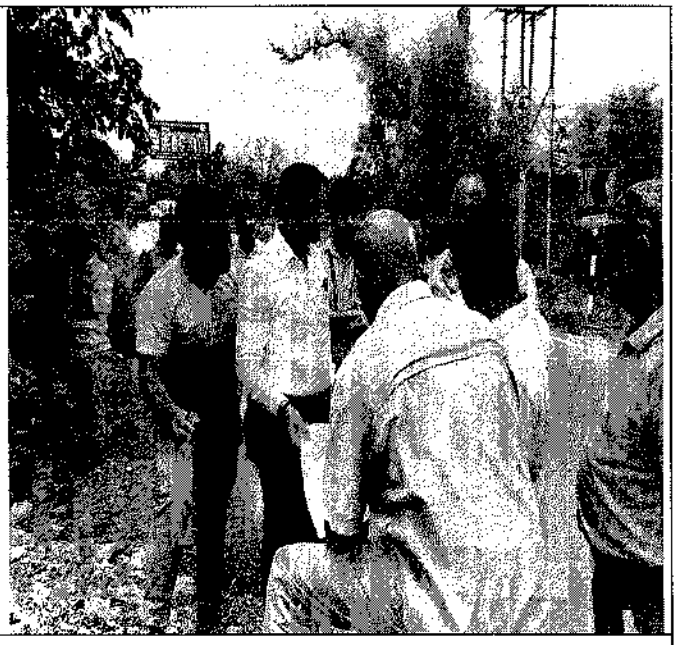

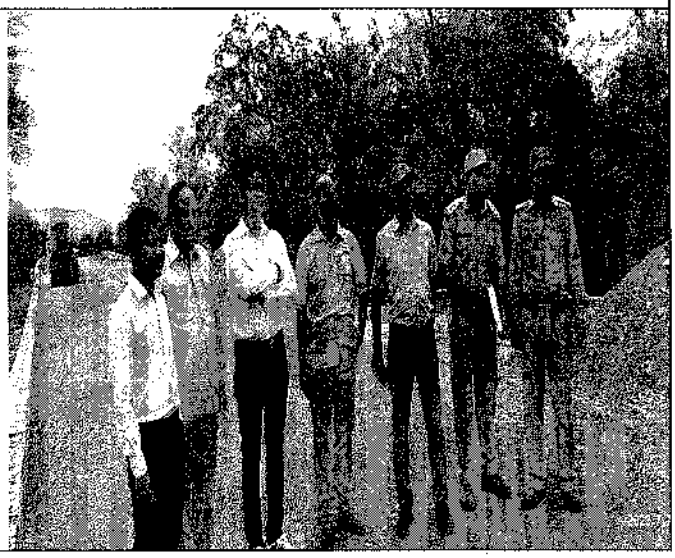

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट

आज दिनांक 07-05-2022 को [illegible] का संयुक्त निरीक्षण श्रीमान डॉ पराग मधुकर धकाते मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उत्तराखण्ड एवं डॉ अनिल कुमार सिंह टीम लीडर (WWF) देहरादून व पंकज कुमार मौर्य [illegible] के साथ संबंधित अधिकारी व स्टाफ तथा NH के स्टाफ मौजूद रहे।

क्रम संख्या	नाम	पद	विभाग	हस्ताक्षर
1.	डॉ० पराग मधुकर धकाते	मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक उत्तराखण्ड	वन विभाग	
2.	डॉ० अनिल कुमार सिंह	Team Leader	WWF	AKS [signature]
3.	श्री पंकज कुमार मौर्य	प्रोजेक्ट डायरेक्टर	NHAI	[signature]
4.	श्री [illegible]	IFS	वन विभाग	[signature]
5.	श्री [illegible]	वन क्षेत्राधिकारी	वन विभाग	[signature]
6.	श्री आर० एस० शर्मा		कन्सलटेंट	[signature]
7.	श्री [illegible] कुमार		NHAI	[signature]
8.	श्री [illegible] प्रसाद [illegible]	वन दरोगा	वन विभाग	[signature]
9.	श्री [illegible] सिंह [illegible]	वन दरोगा	वन विभाग	[signature]
10.	श्री [illegible] शर्मा		कन्सलटेंट	[signature]
11.	श्री [illegible] पाठक		कन्सलटेंट	A [illegible]
12.	श्री राजीव कुमार सिंह	एयरपोर्ट मैनेजर	एयरपोर्ट	राजीव कुमार सिंह
1				

Annexure 1

Wildlife species captured on camera traps near Jolly grant airport between Bhaniyawala and Ranipokhari

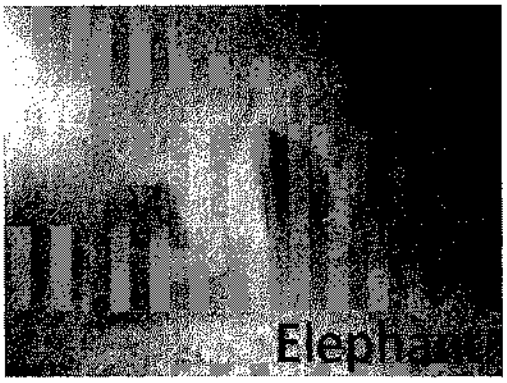

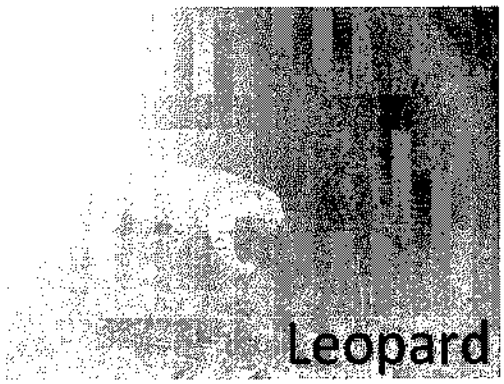

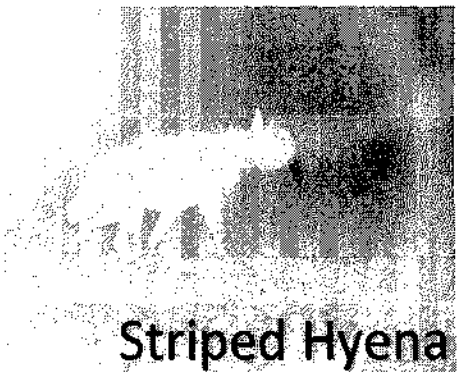

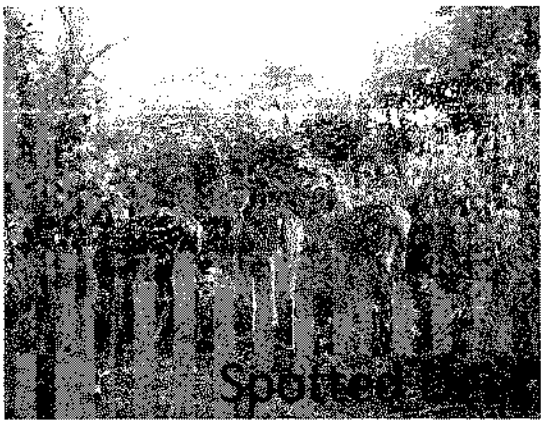

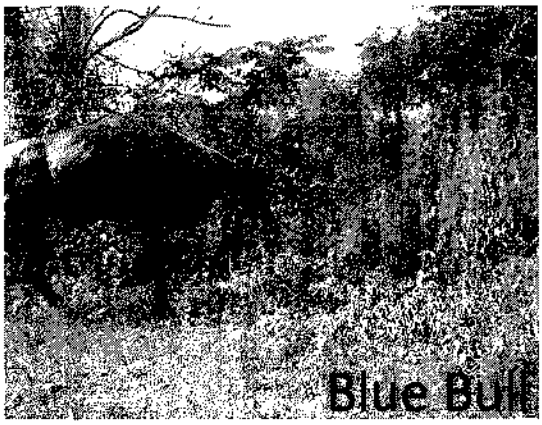

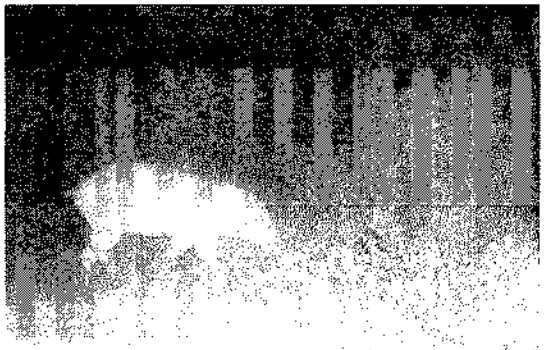

Wild Boar

Sambar Deer

Wildlife species captured on camera traps near SH24 between Ranipokhari to Natraj Chowk, Rishikesh

Elephant

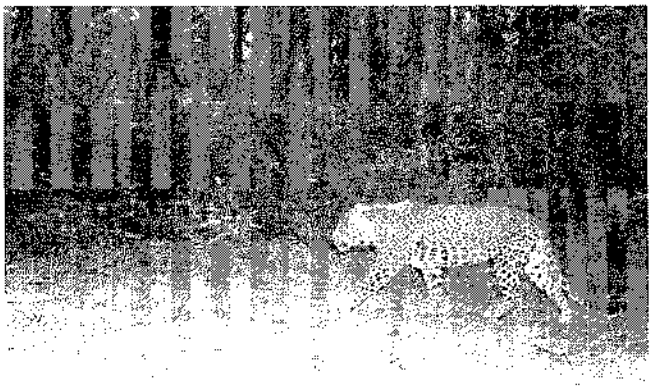

Leopard

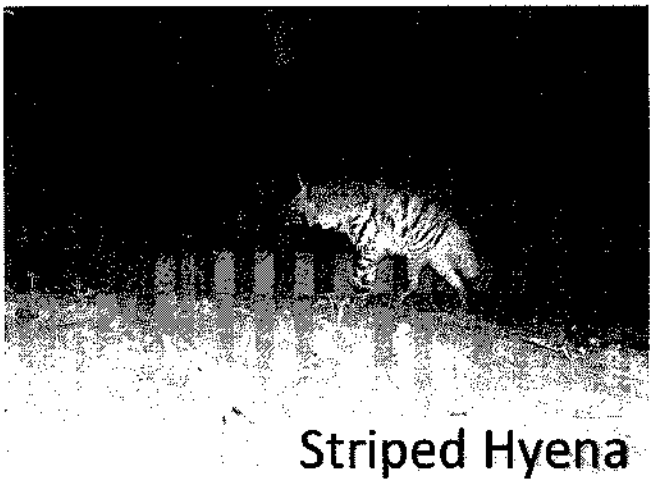

Striped Hyena

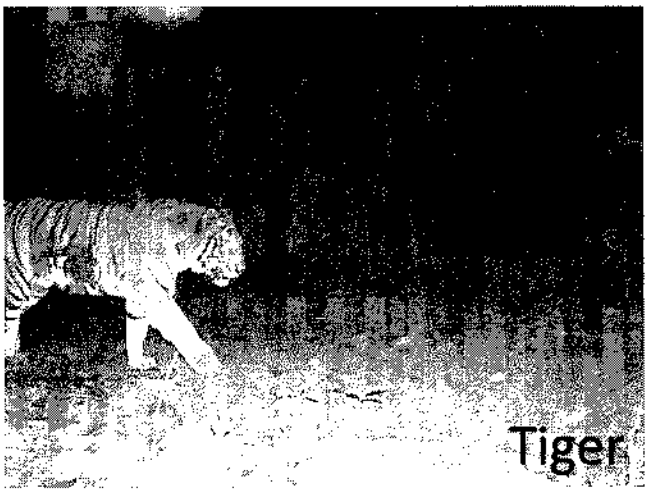

Tiger

Jackal

Sambar deer

Blue bull

Spotted deer

कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव), उत्तराखण्ड

85–राजपुर रोड़, देहरादून (उत्तराखण्ड), फोन न0–0135–2742884 फैक्स–2745691 ई–मेल– cwlwua@yahoo.co.in

पत्रांक – 54 /12–1 देहरादून दिनांक 06 जुलाई, 2022

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
देहरादून वन प्रभाग,
देहरादून।

विषयः राजमार्ग–24 भानियावाला (देहरादून) से ऋषिकेश कि0मी0 0.000 से कि0मी0 20.600 तक के चार लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढिकरण। **एलिफैन्ट अण्डरपास प्रस्ताव के संबंध में।**

संदर्भः
1. आपका पत्रांक 3654/12-1 दिनांक 04.05.2022।
2. मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड का पत्रांक 3247/12–1 दिनांक 08.6.2022
3. मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक दिनांक 10.06.2022।

महोदय,

उपरोक्त आपके पत्र दिनांक 04.05.2022 के द्वारा दिये गये सुझाव के क्रम में उक्त विषयक प्रस्ताव पर निर्णय लिये जाने हेतु मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में एक बैठक दिनांक 10.06.2022 को सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान परियोजना निदेशक, भा0रा0रा0प्रा0, प0का0ई0–वसन्त विहार द्वारा उक्त प्रस्ताव से संबंधित Power Point Presentation किया गया, जिसमें निम्नानुसार दृष्टिगत हुआ है:–

1. संबंधित वन क्षेत्राधिकारियों के परामर्श से एलिफैन्ट अण्डरपास निर्माण हेतु स्थलों को चयनित किया जा चुका है।
2. परियोजना प्राधिकरण ने 5 स्थलों पर चयनित किये गये 1200 मी0 लंबे कोरिडोर (5 जगह) के सापेक्ष कुल 2320 मी ओपनिंग के लिए 04 एलिफैन्ट अण्डरपास प्रस्तावित किये हैं।
3. 1810 मी0 की लंबाई में 07 मी0 से अधिक का वर्टिकल क्लीयरेंस प्रस्तावित किया गया है, जो कि वर्तमान एलिफेन्ट कोरिडोर की लंबाई से 50% अधिक है।
4. भारतीय वन्यजीव संस्थान के दिशा–निर्देशों के अनुसार एलिफैन्ट अण्डरपास के लिए वर्टिकल क्लीयरेंस 6–8 मी0 निर्धारित है। परियोजना प्राधिकरण द्वारा वर्टिकल क्लीयरेंस 6–11 मी0 प्रस्तावित किया गया है।
5. भारतीय वन्यजीव संस्थान के दिशा–निर्देशों के अनुसार निर्धारित न्यूनतम आवश्यकता ओपननेस इन्डेक्स 2 के सापेक्ष, प्रस्ताव के अनुसार ओपननेस इन्डेक्स 14 है।
6. परियोजना प्राधिकरण ने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निम्नलिखित उपाय भी प्रस्तावित किये हैं:–
   - (i) संरचनाओं (कुल लंबाई 2320 मी0) के दोनों ओर ध्वनि अवरोध लगाया जाना।
   - (ii) संरचनाओं को छोड़कर पूर्ण भूमि पर ग्रीन हेजेस लगाना।
   - (iii) कटिंग वाले भाग में सुरक्षा बाड़ लगाना।
   - (iv) गति सीमा संकेत बोर्ड, गति शांत करने वाले उपकरण जैसे अनुप्रस्थ बार लगाना।

7. उपरोक्त चर्चा के बाद यह तय किया गया कि WWF प्रतिनिधि तथा भा0रा0रा0प्रा0 एवं वन विभाग के साथ Joint Survey करने के उपरान्त अपनी आख्या CWLW को सौपेंगी।

उक्त क्षेत्र भ्रमण/निरीक्षण (Joint Survey) हेतु दिनांक 07 जुलाई 2022 को पूर्वान्ह् 11:00 बजे जॉलीग्राट एयरपोर्ट के सामने उपस्थित रहें।

भवदीय,

(डा0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक,
उत्तराखण्ड।

पत्रांक 54 / 12–1 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड, देहरादून।
प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव), उत्तराखण्ड, देहरादून।
वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून।
निदेशक/वन संरक्षक, राजाजी टाइगर रिजर्व, देहरादून।
श्री ए0के0 सिंह, विश्व प्रकृति निधि, (डब्ल्यू0डब्ल्यू0एफ0) देहरादून।
परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, परियोजना कार्यान्वयन ईकाई, वसन्त विहार, देहरादून।

(डा0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक,
उत्तराखण्ड।

E-mail द्वारा

कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) उत्तराखण्ड

85 राजपुर रोड, देहरादून, फोन नं0 0135–2742884 फैक्स नं0 0135–2745691 ईमेल–cwlwua@yahoo.co.in

पत्रांक 3247 /12–1, देहरादून दिनांक 08 जून, 2022

सेवा में

1. निदेशक, राजाजी टाइगर रिजर्व, देहरादून।
2. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून।
3. प्रभागीय वनाधिकारी, हरिद्वार वन प्रभाग हरिद्वार।
4. प्रभागीय वनाधिकारी, शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर।
5. महाप्रबन्धक (तक0)/सह परियोजना निदेशक, पी0आई0यू0, वसन्त विहार, देहरादून।
6. निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा नामित प्रतिनिधि।
7. श्री ए0के0सिंह, वन्यजीव विशेषज्ञ, विश्व प्रकृति निधि, देहरादून।

विषयः– Reg. convene a meeting to resolve forest issues of projects under jurisdiction of PIU Vasant Vihar.

सन्दर्भः– भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, परियोजना कार्यान्वयन ईकाई, देहरादून का पत्रांक 2351 दिनांक 23.05.2022

महोदय,

उपरोक्त सन्दर्भित पत्र के क्रम में निम्नलिखित परियोजनाओं हेतु Wildlife Mitigation Matter/Elephant Underpasses & Reply to comments of RO, MoEF के सम्बन्ध में अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु एक बैठक दिनांक 10 जून 2022 के 2:30 बजे अपरान्ह में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में आहूत की जाती है। बैठक के दौरान परियोजना के सम्मुख अंकित अधिकारी द्वारा परियोजना के सम्बन्ध में पी0पी0टी0 के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया जायेगा।

क्र0 सं0	परियोजना का नाम	अधिकारी जिनके द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया जाना है	विषय जिस पर प्रस्तुतीकरण दिया जाना है
1	हरिद्वार बाईपास (पैकेज–1)	प्रभागीय वनाधिकारी, हरिद्वार वन प्रभाग, हरिद्वार	Wildlife Mitigation Measures. (Time 2:30 - 3:00)
2	भानियावाला से ऋषिकेश 4 लेन परियोजना	महाप्रबन्धक (तक0)/सह परियोजना निदेशक, पी0आई0यू0, देहरादून	Elephant Underpasses & other Wildlife mitigation Measures. (Time 3:00 - 3:30)
3	गणेशपुर–मोहन्ड के बीच लोहा ब्रिज निर्माण	निदेशक, राजाजी टाइगर रिजर्व एवं प्रभागीय वनाधिकारी, शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर (उ0प्र0)	Wildlife Mitigation Measures. (Time 3:30 - 4:00)

अतः कृपया उक्त बैठक में निर्धारित तिथि/समय में बैठक में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डा0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक
उत्तराखण्ड।
8/6/22

—2—

पत्रांक 3247/ 12-1 दिनांकित।

प्रतिलिपि प्रभागीय वनाधिकारी, देहरादून वन प्रभाग, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।

(डा0 पराग मधुकर धकाते)
मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक
उत्तराखण्ड।
18/6/12

कार्यालय, प्रभागीय वनाधिकारी, देहरादून वन प्रभाग, देहरादून।

पत्रांक : 3654 /12–1 देहरादून, दिनांक 4 मई, 2022.

सेवा में,

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

विषयः– उत्तराखण्ड राज्य के जनपद–देहरादून में राज्य राजमार्ग–24 भानियावाला (देहरादून) से ऋषिकेश कि0मी0 0.000 से कि0मी0 20.620 तक के चार ले चौड़ीकरण एवं सुदृढिकरण विषयक।

सन्दर्भः– महाप्रबन्धक (तक0) सह परियोजना निदेशक प0का0ई0– वसन्त विहार, देहरादून का पत्रांक– NHAI/PIU-VSNT-VHR/55011/Rishikesh-Bhaniyawala/Forest/2021/2165 तथा इस कार्यालय का पत्रांक–3562/12–1 दिनांक–23.04.2022

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र जो वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून को सम्बोधित तथा आपको भी पृष्ठांकित है। उक्त संदर्भित पत्र द्वारा प्रयोक्ता ऐजेन्सी द्वारा परियोजना के अन्तर्गत प्रस्तावित ई0यू0पी0 (Elephant Under Passes) से संबधित विस्तारित ड्राईंग एवं भिन्न–भिन्न स्थानों पर विश्लेषण का प्रस्ताव 04 प्रतियों में स्वीकृति/सहमति हेतु इस कार्यालय को प्रेषित किए गये हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित Elephant Under Passes के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी का यह मत है, कि उक्त प्रस्ताव पर तकनीकी विशेषज्ञों यथा Wildlife Institute of India (WII) एवं World Wide Fund for Nature (WWF) से टिप्पणी (comments) प्राप्त कर लिये जाए कि Under Passes की Location, Drawing and Design उचित है अथवा या नही, तथा क्या किसी अन्य ढांचा (structure) के निमार्ण की आवश्यकता तो नही है। उक्त टिप्पणी प्राप्त हो जाने पर अग्रेत्तर कार्यवाही किया जाना यथोचित होगा।

इस सम्बन्ध में वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून द्वारा अपने पत्र– 2684/12–1 दिनांक– 28.4.2022 के द्वारा इस कार्यालय को निर्देशित किया गया है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावित Elephant Under Passes के सम्बन्ध में भारतीय वन्य जीव संस्थान से तकनीकी परामर्श प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। उक्त पत्र की प्रतिलिपि वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, देहरादून द्वारा आपके कार्यालय को भी प्रेषित की गयी है। इस सम्बन्ध में आपकी अध्यक्षता में प्रयोक्ता ऐजेन्सी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान के सक्षम अधिकारियों की बैठक आयोजित करवाकर प्रस्ताव के Drawing and Design पर उनकी सहमति/निर्देश प्राप्त कर लिए जाये।

अतः अनुरोध है कि उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में प्रस्तावित बैठक की तिथि सम्बन्धित आधिकारियों को अवगत कराना चाहें ताकि निर्देशानुसार अग्रेतर कार्यवाही सम्पन्न कराई जा सके।

भवदीय,

प्रभागीय वनाधिकारी,
देहरादून वन प्रभाग, देहरादून।

पत्रांकः– 3654 12(1)/ तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मुख्य वन संरक्षक, (वन्य जीव) उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल (उत्तराखण्ड) पौड़ी।
4. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।

प्रभागीय वनाधिकारी,
देहरादून वन प्रभाग, देहरादून।